हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 02 | अंक : 87 | जौनपुर, शुक्रवार 22 दिसम्बर 2023 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य : 2 रूपया

सीएम योगी बोले-बखिरा के पीतल बर्तन उद्योग को विश्वकर्मा योजना से जोड़ा जाएगा

एजेन्सी

संतकबीरनगर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को कहा कि संतकबीरनगर के बखिरा कस्बे के पीतल बर्तन उद्योग को विश्वकर्मा योजना से जोड़ा जाएगा। जिले के बघौली ब्लाक के ग्राम करौंदा में विकसित भारत संकल्प यात्रा में बतौर मुख्य अतिथि सीएम योगी ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा पीएम मोदी की भारत को 2047 तक भारत को दुनिया की बड़ी ताकत के रूप में स्थापित करने का अभियान है। विकसित भारत संकल्प यात्रा हम सबको जोड़ने की मुहिम है।

सीएम योगी ने कहा कि पिछले साढ़े नौ वर्षों में हम एक नव भारत

का दर्शन कर रहे हैं और भारत को एक वैश्विक भारत का सम्मान प्राप्त हो रहा है। जनता को जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है। बखिरा के पीतल बर्तन उद्योग को विश्वकर्मा योजना से जोड़ा जाएगा। डबल इंजन की सरकार ने समाज में संत कबीर के मूल्यों व आदर्शों, समता, सछ्वावना एवं समरसता की स्थापना और शोध को बढ़ावा देने के लिए'संत कबीर अकादमीश का निर्माण कराया है। वर्तमान बजट में हमने प्रावधान किया है कि'प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजनाश के लाभार्थियों को होली के अवसर पर फ्री में भी सिलेंडर देंगे। मुख्यमंत्री ने कहा, आज के भारत के पास राष्ट्रीय सुरक्षा की गारंटी होने के साथ ही वर्ल्ड क्लास इन्फ्रास्ट्रक्चर है। साथ ही पूरी ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ गरीब कल्याण की योजनाएं लोगों तक पहुंच रही हैं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा 15 नवंबर से पूरे देश में एक साथ प्रारम्भ हुई थी। वहीं, उत्तर प्रदेश में इस यात्रा की शुरुआत लखीमपुर खीरी और सोनभद्र जिले से हुई थी। उन्होंने कहा कि यात्रा के अंतर्गत 536 मोदी गारंटी वीडियो वैन चल रही हैं, जो उत्तर प्रदेश में अब तक 1072 कार्यक्रम कर चुकी हैं। भारत की आजादी के अग्रदूत और जनजातीय समुदाय से संबंध रखने वाले बिरसा मुंडा जी की जयंती से शुरू हुई यह यात्रा 26 जनवरी 2024 तक पूरे देश के अंदर चलेगी। योगी ने कहा कि यह यात्रा पूरे देश के अंदर सभी ग्राम पंचायतों और नगर निकायों में निकल रही है। यात्रा के अंतर्गत केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं के लाभार्थी अपनी सफलता की कहानी स्वयं बता रहे हैं। साथ ही विभिन्न योजनाओं में पात्रता श्रेणी में आने वाले लोगों का यात्रा के अंतर्गत ही फार्म भी भरा जा रहा है और समयबद्ध तरीके से उन तक योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा रहा है। पिछले साढ़े 6 वर्ष में राज्य में 55 लाख से अधिक गरीबों को आवास दिया गया है। तीन करोड़ से अधिक गरीबों को शौचालय मिला है। एक करोड़ 75 लाख से अधिक माताओं और बहनों को उज्ज्वला योजना के तहत फ्री में रसोई गैस सिलेंडर दिया गया है।

सीएम नीतीश ने बोधगया में परम पावन दलाई लामा से की मुलाकात, महाबोधि मंदिर में की पूजा-अर्चना

एजेन्सी

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आज बोधगया के तिब्बतियन मोनेस्ट्री पहुंच कर बौद्ध धर्म गुरू परम पावन दलाई लामा जी से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने परम पावन दलाई लामा जी को पुष्प गुच्छ, अंग वस्त्र एवं प्रतीक चिह्न भेंटकर उनका स्वागत किया और उन्हें नमन कर उनका आशीर्वाद लिया। परम पावन दलाई लामा जी ने मुख्यमंत्री को दीर्घायु एवं स्वस्थ रहने का आशीर्वाद दिया और मुख्यमंत्री ने भी परम पावन दलाई लामा जी के स्वस्थ और सुदीर्घ जीवन की कामना की। परम पावन दलाई लामा जी से बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि आप जब भी यहां आते हैं तो हम आपसे मिलने आते हैं और आपका आशीर्वाद लेते हैं। सभी धर्मों के प्रति हमलोगों का सम्मान है। बौद्ध ध र्म के प्रति भी हमलोगों का सम्मान है। मुख्यमंत्री ने परम पावन दलाई लामा जी को वैशाली में बनने वाले बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय के उद्घाटन के लिए आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री के आग्रह को परम पावन दलाई लामा जी ने स्वीकार किया। इसके पश्चात् तिब्बतियन

मोनेस्ट्री में ही मुख्यमंत्री ने अंतर्राष्ट्रीय संघ मंच के प्रतिनिधियों से मुलाकात की और उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया। इसके पश्चात् महाबोधि मंदिर परिसर में मुख्यमंत्री ने महाबोधि महाविहार एवं बोध गया टेंपल मैनेजमेंट कमिटी कार्यालय में 180 केडब्ल्यूपी सोलर पावर प्लांट का शिलापट्ट अनावरण कर शिलान्यास किया। साथ ही महाबोधि मंदिर के उत्तर दिशा में पीतल से निर्मित भव्य द्वार का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने महाबोधि मंदिर के आउटर बाउंड्री रेलिंग का भी शिलान्यास किया। इसके पश्चात् महाबोधि मंदिर में मुख्यमंत्री ने भगवान बुद्ध की पूजा–अर्चना की और राज्य की सुख–शांति एवं समृद्धि की कामना की। मुख्यमंत्री ने बोधि वृक्ष की भी पूजा–अर्चना की। इस अवसर पर कृषि मंत्री कुमार सर्वजीत, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, मगध प्रमंडल के आयुक्त मयंक वरवड़े, मगध प्रक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक क्षत्रनील सिंह, गया के जिलाधिकारी डॉ. त्यागराजन एसएम, गया के वरीय पुलिस अध ीक्षक आशीष भारती, बोधगया टेंपल मैनेजमेंट कमिटी की सचिव महाश्वेता महारथी, बोधगया टेंपल मैनेजमेंट कमिटी के सदस्य अरविंद सिंह, चीफ मौंक चालीन्दा भंते समेत वरीय पदाधि ाकारी, भंतेगण और बौद्ध श्रद्धालुगण मौजूद थे।

अयोध्या दौरे पर सीएम योगी, राममंदिर में रामलला का किया दर्शन

एजेन्सी

अयोध्या। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज अपने अयोध या दौरे पर पहुंचे है। जहां पहुंचने के बाद सीएम योगी ने सबसे पहले हनुमानगढ़ी में दर्शन पूजन किया। इसके बाद सीएम योगी राममंदिर पहुंचे। जहां पर उन्होंने रामलला के दर्शन किए और आरती में शामिल होकर भगवान राम का आशीर्वाद लिया। इसके बाद मुख्यमंत्री राममंदिर निर्माण की प्रगति का जायजा लेंगे। बता दें कि राम मंदिर में 22 जनवरी 2024 को प्राण प्रतिष्ठा समारोह होगा। इसकी शुरुआत 18 जनवरी से हो जाएगी। विधिवत प्राण प्रतिष्ठा की विधि का आरंभ गणेश, अंबिका पूजन, वरुण पूजन, मातृका पूजन, ब्राह्मण वरण, वास्तु पूजन से होगा। 17 जनवरी को रामलला की प्रतिमा अयोध या में नगर भ्रमण पर निकलेगी। 22 जनवरी को रामलला अपने गर्भगृह में विराजमान हो जाएंगे। इसकी तैयारियां जोरों शोरों से की जा रही है। इन्हीं के बीच आज सीएम योगी अयोध्या पहुंचे है। जहां सीएम राममंदिर निर्माण की प्रगति का निरीक्षण करेंगे। साथ ही सीएम अन्य विकास कार्यों का भी स्थलीय निरीक्षण करेंगे।इससे पहले सीएम योगी दो दिसंबर को अयोध्या एयरपोर्ट का निरीक्षण करने केन्द्रीय मंत्रियों के साथ आए थे। इस महीने में सीएम योगी का दूसरी बार अयोध्या आगमन हुआ है। सीएम के आने से पहले मंगलवार को आरएसएस के कई शीर्ष

पदाधिकारी अयोध्या पहुंचे। तीर्थ क्षेत्र भवन में बैठक कर तैयारी की गहन समीक्षा की। जानकारी के मुताबिक, प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले पीएम नरेंद्र मोदी भी 30 दिसंबर को अयोध या आ रहे हैं। सांसद लल्लू सिंह ने बताया कि पीएम 30 दिसंबर को अयोध्या एयरपोर्ट का लोकार्पण करेंगे। इसके साथ ही वे कई योजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण करेंगे। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को चेतावनी दी है कि पीड़ितों की मदद में विलंब और लापरवाही कतई नहीं होनी चाहिए।

लोकसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित, शीत कालीन सत्र में 74 प्रतिशत कामकाज

एजेन्सी

नयी दिल्ली। लोकसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गई है। इसी के साथ लोकसभा का शीतकालीन सत्र भी समाप्त हो गया है। निर्धारित तिथि के अनुसार, 4 दिसंबर से शुरू हुए संसद के शीतकालीन सत्र को शुक्रवार तक चलना था। लेकिन, एक दिन पहले 21 दिसंबर को ही लोकसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। गुरुवार को लोकसभा ने दो महत्वपूर्ण विधेयकों, मुख्य निर्वाचन आयुक्त और अन्य निर्वाचन आयुक्तों (नियुक्ति, सेवा शर्तों और कार्यालय अवधि) विधेयक – 2023 और प्रेस और पत्र–पत्रिका पंजीकरण विधेयक– 2023, को पारित कर दिया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शीतकालीन सत्र के दौरान हुए कामकाज की जानकारी देते हुए सदन को बताया कि वर्तमान चौदहवें सत्र में लोकसभा की उत्पादकता लगभग 74 प्रतिशत रही। लोकसभा के चौदहवें सत्र के दौरान 14 बैठकें हुईं, जो 61 घंटे और 50 मिनट तक चलीं।उन्होंने बताया कि सत्र के दौरान लोकसभा में 12 सरकारी विधेयक पेश किए गए और 18 विधेयक पारित किए गए। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह एवं नितिन गडकरी सहित अन्य मंत्रियों और सांसदों की उपस्थिति में सत्र के दौरान सदन में हुए कामकाज के बारे में सदस्यों को सूचित किया कि 4 दिसंबर, 2023 को शुरू हुए सत्र के दौरान 14 बैठकें हुईं जो लगभग 61 घंटे 50 मिनट तक चली। सत्र के दौरान सदन की उत्पादकता 74 प्रतिशत रही। सत्र के दौरान 12 सरकारी विधेयक पेश किए गए एवं भारतीय न्याय (द्वितीय) संहिता– 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा (द्वितीय) संहिता– 2023, भारतीय साक्ष्य (द्वितीय) विधेयक– 2023, केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर (दूसरा संशोधन) विधेयक –2023 और दूरसंचार विधेयक– 2023 सहित 18 विधेयक पारित किए गए। उन्होंने बताया कि इस दौरान वर्ष 2023–24 के लिए अनुदानों की पूरक मांगों को तथा वर्ष 2020–21 के लिए अतिरिक्त अनुदानों की मांगों को मतदान के उपरांत पारित किया गया। बिरला ने बताया कि सत्र के दौरान 55 तारांकित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दिए गए और नियम 377 के अधीन कुल 265 मामले उठाए गए। सत्र के दौरान अविलंबनीय लोक महत्व के 182 मामले उठाए गए। उन्होंने कहा कि लोकसभा की विभागों से संबंधित स्थायी समितियों ने 35 प्रतिवेदन प्रस्तुत किए। निदेश 73क के अधीन 33 वक्तव्य दिए गए और संसदीय कार्य के संबंध में संसदीय कार्य मंत्री द्वारा दिए गए तीन वक्तव्यों सहित कुल 34 वक्तव्य दिए गए। बिरला ने यह भी बताया कि सत्र के दौरान कुल 1930 दस्तावेज सभा के पटल पर रखे गए। सदन की कार्यवाही में सहयोग के लिए प्रध ानमंत्री नरेंद्र मोदी और सदन में सभी दलों के नेताओं और सदस्यों के प्रति आभार भी व्यक्त किया।

संजय सिंह बने डब्ल्यूएफआई के नए अध्यक्ष

एजेन्सी

नयी दिल्ली भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के नए अध्यक्ष संजय सिंह बने। कई बार लंबित हुए चुनावों में उनके पैनल ने अधिकांश पद पर आसान जीत दर्ज की जिससे निवर्तमान अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के हाथों में अप्रत्यक्ष रूप से महासंघ का नियंत्रण आ गया। उत्तर प्रदेश कुश्ती संघ के उपाध्यक्ष संजय को 40 जबकि उनकी प्रतिद्वंद्वी अनिता श्योराण को सात मत मिले। संजय सिंह 2008 में वाराणसी कुश्ती संघ के जिला अध्यक्ष बने थे। 2009 में उत्तर प्रदेश कुश्ती संघ बना तो बृजभूषण शरण सिंह प्रदेश अध्यक्ष और संजय सिंह उपाध यक्ष बने थे। चुनाव जीतने के बाद संजय सिंह ने कहा कि अब राष्ट्रीय शिविर (कुश्ती के लिए) आयोजित किए जाएंगे. जो पहलवान राजनीति करना चाहते हैं वे राजनीति कर सकते हैं, जो कुश्ती करना चाहते हैं वे कुश्ती करेंगे। बृजभूषण सिंह के दामाद विशाल सिंह ने कहा कि हमारे पूरे पैनल ने जीत दर्ज की है। उन्होंने कहा, श्हमारे सभी पैनल की जीत हुई है। सभी अच्छे बहुमत से जीते हैं. गिनती चल रही है तो अधिकारिक नंबर जल्द ही आ जाएंगे. पिछले कुछ दिनों में कुश्ती को नुकसान हुआ. हमारे खिलाड़ी अच्छे प्रदर्शन कर सकते थे।

पीएम मोदी को जेबकतरा बोलने पर बढ़ीं राहुल गांधी की मुश्किलें...दिल्ली हाई कोर्ट ने दिया 8 दिन का समय

एजेन्सी

नयी दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने वीरवार को निर्वाचन आयोग से कहा कि वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए की गई कथित ''जेबकतरे वाली टिप्पणी के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी को जारी किये गये नोटिस पर आठ सप्ताह के भीतर निर्णय ले। कांग्रेस नेता ने पिछले महीने प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए 'जेबकतरे और अन्य टिप्पणियां की थी।

अदालत उस जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें गांध ी के खिलाफ कार्रवाई के साथ–साथ राजनीतिक नेताओं द्वारा इस तरह के ''कदाचार को रोकने के लिए दिशानिर्देश तैयार करने का अनुरोध ा किया गया है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि हालांकि कथित बयान ''उचित नहीं हैं और निर्वाचन आयोग (ईसी) मामले की जांच कर रहा है और यहां तक कि गांधी को नोटिस भी जारी किया गया है। न्यायमूर्ति मनमोहन और न्यायमूर्ति मिनी पुष्करणा की पीठ ने आदेश दिया, ''यह मानते हुए कि जवाब

दाखिल करने की समय सीमा समाप्त हो गई है और कोई जवाब नहीं मिला है, अदालत ने निर्वाचन आयोग को निर्देश दिया कि वह इस मामले पर यथासंभव शीघ्रता से आठ सप्ताह के भीतर निर्णय ले। अदालत ने कहा कि 23 नवंबर को भेजे गए नोटिस में निर्वाचन आयोग ने खुद कहा था कि वह इस मामले में उचित कार्रवाई करेगा। याचिकाकर्ता भरत नागर ने उच्च न्यायालय को बताया कि गांधी ने 22 नवंबर को एक भाषण दिया था जिसमें प्रधानमंत्री सहित ''उच्चतम सरकारी पदोंश्श पर बैठे व्यक्तियों के खिलाफ ''गंभीर आरोपश्श लगाए गए थे और उन्हें ''जेबकतरे के रूप में संदर्भित किया गया था।

बिहार: पटना में अज्ञात बदमाशों ने महिला कांस्टेबल को मारी गोली

एजेन्सी

पटना। बिहार की राजधानी पटना के पाटलिपुत्र थाना क्षेत्र में मनचले द्वारा एक महिला कांस्टेबल को गोली मारने का मामला सामने आया है। इस घटना में महिला कांस्टेबल के हाथ में गोली लगी है, जिन्हें पीएमसीएच में भर्ती करा दिया गया है। पुलिस के मुताबिक, घटना पाटलिपुत्र थाना क्षेत्र अंतर्गत जेपी गंगा पथ की है। महिला कांस्टेबल पम्मी खातून अपनी सहेली प्रशिक्षु दारोगा शबाना आजमी के साथ बुध वार की रात करीब 10 बजे जेपी गंगा पथ पर मोबाइल से रील्स बना रही थी। इसी दौरान किसी ने फायरिंग कर दी। इससे महिला कांस्टेबल पम्मी खातून को बायें हाथ में गोली लग गयी। आनन फानन में इन्हें पीएमसीएच में भर्ती कराया जा रहा है। चिकित्सकों ने उन्हें खतरे से बाहर बताया है। डीएसपी लॉ एंड ऑर्डर कृष्ण मुरारी प्रसाद ने बताया कि ये दोनों एलसीटी घाट पर थी। इस दौरान पम्मी खातून वीडियो बना रही थीं और किसी ने गोली मार दी। उन्होंने बताया कि फिलहाल घटना के कारणों की जानकारी नहीं मिल पायी है, पुलिस जांच कर रही है। घायल कांस्टेबल पटना पुलिस लाइन में तैनात है जबकि उनकी सहेली पूर्णिया में पदस्थापित है।

दिल्ली शराब घोटाले में आप नेता संजय सिंह को राहत नहीं, 10 जनवरी तक बढ़ाई हिरासत

एजेन्सी

नयी दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने आबकारी नीति घोटाला मामले में आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता संजय सिंह की न्यायिक हिरासत की अवधि गुरूवार को 10 जनवरी तक बढ़ा दी।

विशेष न्यायाधीश एम. के. नागपाल ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से राज्यसभा सदस्य सिंह को अपने पांचवें पूरक आरोप पत्र और अन्य संबंधित दस्तावेजों की एक प्रति उपलब्ध कराने के लिए भी कहा। सिंह को कथित घोटाले से संबंधित धनशोधन मामले में गिरफ्तार किया गया था। सुनवाई के दौरान ईडी के वकील ने सिंह को अभियोजन शिकायत (ईडी के आरोप पत्र के समान) के साथ–साथ पिछली अभियोजन शिकायतों और कुछ अन्य दस्तावेज उपलब्ध कराने के लिए समय मांगा। उन्होंने कहा कि अभियोजन पक्ष के एक गवाह की पहचान का मुद्दा अभी भी गवाह संरक्षण समिति के समक्ष लंबित है। वकील ने कहा कि पूरक शिकायत की एक ई–कॉपी अदालत के निर्देश के अनुसार 'आप नेता को पहले ही प्रदान की जा चुकी है। अदालत ने कहा कि यह निर्देश दिया जाता है कि पिछले सभी आरोपपत्रों की प्रतियों के अलावा दस्तावेजों और पांचवीं अभियोजन शिकायत की प्रति को 23 दिसंबर तक आरोपी के वकील को उपलब्ध कराई जाए। अदालत ने कहा, ''10 जनवरी को सूचीबद्ध करें, जब मुख्य मामले की सुनवाई निध ारित है। न्यायिक हिरासत की अवधि 10 जनवरी तक बढ़ाई जाती है।

सांसदों के निलंबन के खिलाफ इंडिया गठबंधन का जंतर मंतर पर प्रदर्शन

एजेन्सी/नयी दिल्ली। इंडिया गठबंधन के प्रमुख नेताओं ने संसद से सांसदों के निलंबन के खिलाफ आज यहां जंतर मंतर पर प्रदर्शन किया। कांग्रेस अध्यक्ष तथा राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने आज यहां विजय चौक पर विपक्षी नेताओं के साथ आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि धरना प्रदर्शन जंतर मंतर के साथ ही देश की विभिन्न हिस्सों में भी किया जाएगा।

छात्रों के खिलाफ जांच पर पुनर्विचार करेगा जेएनयू : वाइस चांसलर

एजेन्सी

नयी दिल्ली। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) की कुलपति शांतिश्री पंडित ने बृहस्पतिवार को कहा कि पानी की कमी के खिलाफ प्रदर्शन करने के लिए चार छात्र संघ के प्रतिनिधियों और 12 छात्रावास के अध्यक्षों के खिलाफ शुरू की गई सभी प्रॉक्टोरियल जांच पर विश्विद्यालय प्रशासन पुनर्विचार करेगा। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्र संघ (जेएनयूएसयू) के प्रतिनिधियों और छात्रावास के अध्यक्षों को 19 सितंबर को कुलपति के आवास के बाहर विरोध प्रदर्शन करने को लेकर पिछले महीने एक जांच नोटिस भेजा गया था।

हालांकि, छात्रों के संगठन ने कहा कि वह 'थोड़ी सांत्वना से खुश नहीं है। कुलपति ने सोमवार को जेएनयूएसयू प्रतिनिधियों और छात्रावास अध्यक्षों के साथ बैठक की और पानी की कमी के विरोध को लेकर किए गए प्रदर्शन के खिलाफ शुरू की गई प्रॉक्टोरियल जांच को वापस लेने के लिए जेएनयूएसयू की अपील पर पुनर्विचार करने का आश्वासन दिया। हालांकि, जेएनयू प्रशासन द्वारा चल रही अन्य पूछताछ पर कोई स्पष्टता नहीं दी गई। कुलपति को 15 दिसंबर को सौंपे गए ज्ञापन में जेएनयूएसयू ने कार्रवाई को 'कठोर और 'मनमाना बताते हुए विरोध प्रदर्शन करने वाले छात्रों के खिलाफ चल रही सभी जांच को वापस लेने की मांग की थी। छात्रावास अध्यक्षों ने एक बयान में कहा, ''हम, जेएनयू के छात्रावास अध्यक्षों ने छात्रावास समुदाय को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण मुद्दों के समाधान की उम्मीद को लेकर 18 दिसंबर को कुलपति के साथ बैठक की। कुलपति ने हमें सूचित किया कि सभी प्रॉक्टोरियल नोटिसों पर अपील चरण में पुनर्विचार किया जाएगा। जेएनयूएसयू ने 23 दिसंबर को कैंपस में मशाल मार्च का आह्वान किया है, जिसमें चीफ प्रॉक्टर ऑफिस मैनुअलश को वापस लेने की मांग की गई है।

सम्पादकीय

ज्ञानवापी हिन्दू आस्था का प्रश्न

ज्ञानवापी मस्जिद मामले में चल रही कानूनी लड़ाई में इलाहाबाद हाईकोर्ट की तरफ से हिन्दू पक्ष को काफी संतोष मिला है। हाईकोर्ट ने ज्ञानवापी मस्जिद के सर्वेक्षणघ्के खिलाफ याचिका समेत मुस्लिम पक्ष की सभी याचिकाओं कोघ्ठुकरा दिया है। इसके साथ ही हाईकोर्ट ने बड़ा फैसला देते हुए 1991 के वाराणसी कोर्ट में दायर मुकदमे को सुनवाई योग्य मानते हुए वाराणसी की अदालत को 6 माह के भीतर फैसला देने का निर्देश दिया है। वर्ष 1991 में एक केस फाइल किया गया था। इस याचिका में ज्ञानवापी परिसर में पूजा की अनुमति मांगी गई थी। यह केस सोमनाथ व्यास, रामनारायण शर्मा और हरिहर पांडे की ओर से दाखिल किए गए थे। इस केस में दावा किया गया था कि मस्जिद जहां बनी है वो काशी विश्वनाथ की जमीन है। इसलिए मुस्लिम धर्मस्थल को हटाकर उसका कब्जा हिन्दुओं को सौंपा जाए। घ्मस्जिद को लेकर पहलाघ विवाद 1809 में हुआ था जो साम्प्रदाघ्यिक दंगों में तब्दील हो गया था। अदालत में एक मुकदमा 1936 में भी दायर हुआ था जिसका निर्णय 1937 में आया। फैसले में पहले निचले कोर्ट और फिर हाईकोर्ट ने मस्जिद को वक्फ प्रोपर्टी माना।

12 सितम्बर, 2022 को वाराणसी जिला अदालत ने ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में देवी–देवताओं की पूजा की मांग को लेकर दायर की गई पांच महिलाओं की याचिका को सुनवाई के लिए स्वीकार कर लिया, साथ ही मुस्लिम पक्ष की याचिकाएं खारिज कर दीं। जब 1991 में ज्ञानवापी मामले में पहला मुकदमा दायर हुआ तो उसके कुछ महीने बाद सितम्बर 1991 में तत्कालीन पी.वी. नघ्रसिम्हा राव सरकार ने उपासना स्थल कानून बना दिया। यह कानून कहता है कि 15 अगस्त, 1947 से पहले अस्तित्व में आए किसी भी धर्म के पूजा स्थल को किसी दूसरे धर्म के पूजा स्थल में नहीं बदला जा सकता। अगर कोई ऐसा करने की कोशिश करता है तो उसे तीन साल की जेल और जुर्माना हो सकता है। अयोध्या का मामला उस वक्त कोर्ट में था इसलिए उसे इस कानून से अलग रखा गया था लेकिन ज्ञानवापी मामले में इसी कानून का हवाला देकर मस्जिद कमेटी ने याचिका को हाईकोर्ट में चुनौती दी। 1993 में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने स्टे लगाकर यथास्थिति कायम रखने का आदेश दिया था। 2018 में सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया कि किसी भी मामले में स्टे ऑर्डर की वैधता केवल छह महीने के लिए ही होगी। उसके बाद ऑर्डर प्रभावी नहीं रहेगा। इसी आदेश के बाद 2019 में वाराणसी कोर्ट में फिर से इस मामले में सुनवाई शुरू हुई। 2021 में वाराणसी की सिविल जज सीनियर डिविजन फास्ट ट्रैक कोर्ट से ज्ञानवापी मस्जिद के पुरातात्विक सर्वेक्षण की मंजूरी दे दी। आदेश में एक कमीशन नियुक्त किया गया और इस कमीशन को 6 और 7 मई को दोनों पक्षों की मौजूदगी में शृंगार गौरी की वीडियोग्राफी के आदेश दिए गए। 10 मई तक अदालत ने इसे लेकर पूरी जानकारी मांगी थी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अब 32 वर्ष बाद मुकदमे की सुनवाई का आदेश दिया है और कहा है कि 1991 का उपासना स्थल कानून इस घसिविल वाद में बाधित नहीं है। अब जबकि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की रिपोर्ट अदालत में जमा कराई जा चुकी है और उसी के आधार पर स्वामित्व विवाद का हल निकल सकेगा और करोड़ों हिन्दुओं की आस्था जीवंत हो उठेगी। अब वाराणसी कोर्ट 6 माह में अपना फैसला सुनाएगा। हिन्दू पक्ष के वकीलों को उम्मीद है कि अब वजुखाने का सर्वे भी होगा। मेरा अभी भी यह दृढ़ मत है कि काशी विश्वनाथ धाम परिसर में स्थित ज्ञानवापी क्षेत्र को मुस्लिम बन्धुओं को हिन्दुओं को सौंप देना चाहिए और स्वतन्त्र भारत की एकता व 'गंगा–जमुनी' तहजीब में इजाफा करने के लिए अपना बड़ा दिल दिखाना चाहिए। काशी या बनारस हिन्दू मान्यता के अनुसार स्वयं भगवान शंकर द्वारा बसाया गया वह स्थान है जिसमें शहनाई वादन के शहंशाह उस्ताद बिस्मिल्ला खां ने अपनी धुनों से भोलेनाथ को मनाया और शंकर शंभू जैसे महान कव्वालों ने "हजरत मोहम्मद सलै–अल्लाह–अले–वसल्लम" की शान में 'नात' गाया। काशी के विश्वनाथ धाम के बारे में ऐतिहासिक दस्तावेज आज भी संग्रहालय में सुरक्षित हैं कि 1669 में औरंगजेब ने इसका विध्वंस करने का फरमान जारी किया था। इसी प्रकार उसने मथुरा के केशवदेव मन्दिर को भी क्षति पहुंचाने का आदेश दिया था। बेशक यह उस दौर की राजनीति में राजशक्ति दिखाने की कोई रणनीति रही होगा जबकि औरंगजेब के शासन में पूरे मुगल सम्राटों के शासन के मुकाबले सर्वाधिक 'हिन्दू मनसबदार' थे। मगर यह इतिहास का सच तो है ही अतः मुसलमानों को इसे स्वीकार करना चाहिए और भारतीय संस्कृति का सम्मान करते हुए फराखदिली दिखानी चाहिए। ज्ञानवापी की दरो दीवार यही कहती है कि एक मंदिर के ऊपर मस्जिद खड़ी कर दी गई तो इस्लाम की नजर में भी नाजायज है। अंजुमन इंतजामिया कमेटी ने कहा है कि वह कानूनी लड़ाई लड़ेंगे और अंतिम सांस तक लड़ेंगे। कमेटी ने यह भी कहा है कि मस्जिद को आसानी से तश्तरी में सजा कर नहीं देंगे। अब जबकि इंसाफ नहीं हो रहा तो सड़कों पर उतरने के हालात भी बन सकते हैं। अभी भी समय है कि दोनों सम्प्रदाय बैठकर मुद्दे को सुलझाएं। अयोध्या की तर्ज पर मुस्लिमों को मस्जिद बनाने के लिए कहीं ओर भूमि भी दी जा सकती है।

संसद पर हमला, अब और तब

चंद्रमोहन

यह एक इमारत जरूर है पर उससे भी महत्वपूर्ण यह हमारे लोकतंत्र का मंदिर है, उसका प्रतीक है। इसकी पवित्रता पर आंच नहीं आनी चाहिए, क्योंकि संसद है तो लोकतंत्र है, लेकिन इसी भवन में 13 दिसम्बर को दो नौजवान दर्शक गैलरी से लोकसभा के सदन के बीच कूद पड़े और पकडे जाने से पहले अंदर धुएं के कनस्तर से पीला धुआं फैलाने में सफल रहे। दो और साथी बाहर पकड़े गए। यह धुआं हानिकारक नहीं था पर अगर उनके पास इसकी जगह बारूद होता तो क्या होता? उस दिन संसद ने 22 वर्ष पहले हुए हमले में संसद की रक्षा करते मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की थी और इसी दिन ही खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने संसद पर हमला करने की धमकी दी थी पर हमारी सुरक्षा व्यवस्था लापरवाह पाई गई। अपराधियों को वहां ही पकड़ लिया गया पर सवाल तो है कि हमारे यहां 'सब चलता है' की संस्कृति क्यों है कि 1200 करोड़ रुपए की लागत से बने नए संसद भवन की सुरक्षा का कुछ नौजवान मजाक बना गए? जब नया भव्य भवन बनाया गया तो यह बताया गया कि बिल्कुल सुरक्षित होगा, लेकिन कुछ ही महीने में पता चल गया कि भवन बदला, लापरवाह मानसिकता नहीं बदली। इस बार घुसपैठियों के आतंकवादियों के साथ सम्बंध नहीं हैं, न ही वह पेशेवर अपराधी ही हैं, पर अगर होते तो? अब आठ सुरक्षा कर्मियों को सस्पेंड कर दिया गया, लेकिन यह भी छुपा है कि संसद में सुरक्षा कर्मियों की 40 प्रतिशत जगह खघली है। यह कैसे हो गया? नई इमारत में दर्शक गैलरी से सांसदों के ऊपर तक पहुंच जाते हैं जिससे वहां से छलांग लगाना आसान है जबकि पुराने भवन में वह पीछे थी। मुझे याद है कि पहली बार जब मैं संसद की कार्यवाही देखने गया तो सामने लगे जंगले पर मैंने पैर रख दिया। एक सुरक्षाकर्मी तत्काल पहुंचा कि ऐसा करना मना है। ऐसी चौकसी कहां गई? अब तो यह लोग जूतों में छिपाकर स्मोक कैन ले गए और कोई मशीन या कोई गार्ड उन्हें पकड़ नहीं सका। अब शायद दर्शक गैलरी के सामने शीशा लगाया जाएगा ताकि कोई और फिर कूद न सके। डिजाइन में त्रुटि का यह ही इलाज है। संसद और सांसदों को सुरक्षित रखने के लिए सारे उचित कदम उठाए जाने चाहिए पर इसका यह मतलब नहीं होना चाहिए कि जनता, जो वास्तव में इसकी मालिक है, का इस बहाने प्रवेश सीमित कर दिया जाए। जनता को मौका मिलना चाहिए कि वह देख सकें कि उसके सदन की कार्यवाही कैसे चल रही है? दुनिया की कई संसद में तो जनता के लिए विशेष प्रबंध किए जाते हैं। कनाडा की संसद गर्मियों में अपने द्वार लोगों के लिए खोल देती है ताकि लोग वहां बाग में योगा कर सकें। जर्मनी की संसद की इमारत बुंडेस्टैग का गुंबद शीशे का बना हुआ है ताकि लोग ऊपर से देख सकें कि उनके प्रतिनिधि क्या कर रहे हैं? सारा प्रभाव खुलेपन का है। हां, कई संसद में दर्शक गैलरी से पैमफलेट फेंकने की घटनाएं हो चुकी हैं। शीशा लग जाने के बाद यह सम्भावना तो समाप्त हो जाएगी पर यह जरूरी ध्यान रखना चाहिए कि संसद का खुलापन सीमित नहीं होना चाहिए। संसद न केवल लोगों की है पर लोगों के लिए भी है।

इन लोगों ने यह तमाशा क्यों किया? क्या वह केवल हताशा में सरकार का ध्यान बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर ले जाना चाहते थे या कोई और खघ्तरनाक मकघ्सद था, यह तो जांच ही बताएगी पर यह दिलचस्प है कि यह सब युवा देश के अलग–अलग हिस्सों से हैं। कोई उत्तर प्रदेश से तो कोई बिहार से तो कोई कर्नाटक से तो कोई महाराष्ट्र से है। संसद भवन के बाहर पकड़ी गई लड़की नीलम सिंह हरियाणा से है। वह बहुत पढ़ी–लिखी है और सिविल सर्विस की परीक्षा की तैयारी कर रही थी जबकि उत्तर प्रदेश का सागर शर्मा 12वीं तक ही पढ़ा है। बिहार का ललित झा टीचर है।

महाराष्ट्र का अमोल धनराज शिंदे सेना में भर्ती की तैयारी कर रहा था जबकि कर्नाटक का मनोरंजन देवाराजे गौड़ा इंजीनियरिंग कर चुका है। इतनी विविध और असमान पृष्ठभूमि वाले यह नौजवान इकट्ठे कैसे हो गए? इन सबके बारे बताया जाता है कि वह फेसबुक पर 'भगत सिंह फैन क्लब' से जुड़े हुए हैं। यह दिलचस्प है कि भगत सिंह को फांसी लगे 92 साल के बाद भी वह देश के युवाओं के एक वर्ग के आदर्श हैं। पंजाब में तो हर सरकारी दफ्तर में उनकी तस्वीर लगी है। मुख्यमंत्री भगवंत मान पीली पगड़ी डालते हैं जबकि कोई प्रमाण नहीं कि भगत सिंह ने कभी पीली पगड़ी डाली थी। नीलम सिंह ने फेसबुक पर लिखा है, ' नए भारत के निर्माण के लिए चलो भगत सिंह के रास्ते'। पृष्ठभूमि में भगत सिंह की तस्वीर लगा सागर शर्मा ने फेसबुक पर लिखा है, 'जिन नौजवानों ने कल देश की बागडोर हाथ में लेनी है उन्हें आज ही अकल से अंधा बनाने की कोशिश हो रही है', लेकिन क्या यह लोग भगत सिंह और उनकी वैचारिक गहराई को समझते भी हैं? ठीक है उस महान शहीद ने असेम्बली में बम फेंकते समय कहा था कि 'बहरे कानों को सुनाने के लिए ऊंचे विस्फोट की जरूरत है', पर जिन कानों की वह बात कर रहे थे वह फिरंगी कान थे। वह साम्राज्यवादी कान थे। वह अपनी संसद में कभी ऐसी हरकत न करते। जिन्होंने संसद में हरकत की है उनके खघ्लाफ तो उचित कार्रवाई की जानी चाहिए क्योंकि हम नहीं चाहते कि ऐसी घटना संसद भवन में, या कहीं और, दोहराई जाए। लेकिन इसके साथ यह भी जरूरी है कि उस जन प्रतिनिधि जिसके गैरजिम्मेदार आचरण के कारण संसद की सुरक्षा और प्रतिष्ठा खघ्तरे में पड़ी है, के प्रति भी उदारता न दिखाई जाए। इन अभियुक्तों को संसद का प्रवेश पास भाजपा के मसूर से सांसद प्रताप सिम्हा ने दिलवाया था। उनपर भी कार्रवाई होनी चाहिए। संसद के नियमों के बारे निजी दोस्त/ जिसे मैं निजी तौर पर जानता हूं, और मैं उसकी जिम्मेवारी लेता हूं" इसलिए जो हुआ उसकी जिम्मेवारी से प्रताप सिम्हा बच नहीं सकते पर अभी तक उनके खिलाफ कोई जांच हुई हो, इसकी कोई खबर नहीं। अगर कोई बड़ी साजिश है तो सांसद से भी पूछताछ होनी चाहिए। हाल ही में तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा को अपना संसदीय लॉगइन साझा करने के अपराध में संसद से निष्कासित किया गया था। निश्चित तौर पर प्रताप सिम्हा का अपराध महुआ मोइत्रा से बहुत अधिक गम्भीर है। उनके कारण संसद की सुरक्षा भारी खतरें में पड़ गई थी। 22 साल पहले 13 दिसम्बर, 2001 को संसद पर हमला हुआ था। कई लोग कह रहे हैं कि वर्तमान घटना उससे भी अधिक गम्भीर है। कैबिनेट सचिवालय में पूर्व विशेष सचिव वी. बालाचन्द्रम लिखते हैं, "इस बार जब लोकसभा की कार्यवाही चल रही थी अपराधी संसद के दिल तक पहुंचने में सफल रहे हैं। यह इसे 2001 की घटना से अधिक गम्भीर बना देती है, क्योंकि तब आतंकवादी इमारत के अंदर तक पहुंचने में सफल नहीं हुए थे"। उनका कहना है कि अगर गैस के कनस्तर की जगह उनके पास ग्रेनेड होता तो क्या हालत होती? पर मेरी राय उनसे अलग है, क्योंकि ग्रेनेड या कोई हथियार नहीं थे इसलिए यह घटना उतनी गम्भीर नहीं है। 2001 में तो बाकायदा पाकिस्तान प्रशिक्षित आतंकवादी हमला हुआ था। उस दिन आतंकवादी सफेद एम्बेसेडर कार में आए थे। कार में ड्राइवर और पांच आतंकी थे। यह तो सौभाग्य है कि अफरा–तफरी में उस कार की टक्कर उपराष्ट्रपति की कार से हो गई और सुरक्षाकर्मी एलर्ट हो गए। आतंकियों ने संसद में घुसने की कोशिश की थी पर उससे पहले सीआरपीएफ की कांस्टेबल कमलेश कुमारी मेन गेट बंद करने में सफल हो गई थी। वह खुद वहां ही शहीद हो गई, उन्हें 11 गोलियां लगी थीं। इस हमले में 9 लोग मारे गए थे। इस बार ऐसा कुछ नहीं हुआ, किसी भी प्रकार का कोई नुकघ्सान नहीं हुआ। कोई हथियार नहीं थे, इसीलिए मैं समझता हूं कि घटना उतनी गम्भीर नहीं थी, पर सुरक्षा चूक अधिक गम्भीर थी, क्योंकि घुसपैठिए अन्दर तक पहुंचने में कामयाब हो गए।

इन घटनाओं के बाद जो हुआ वह भी पहली घटना से बहुत अलग थी। 22 साल पहले जब आतंकवादी हमला हुआ तो प्रधानमंत्री वाजपेयी और कांग्रेस नेता सोनिया गांधी संसद से घर लौट चुके थे। गृहमंत्री लाल कृष्ण अडवानी और लगभग 200 सांसद वहां मौजूद थे। जब सोनिया गांधी को हमले बारे पता लगा तो उन्होंने तत्काल प्रधानमंत्री वाजपेयी को फोन कर पूछा, "आप ठीक तो हैं", वाजपेयी का जवाब दिया, "मेरा छोड़िए आप ठीक है न?" अगले दिन प्रधानमंत्री वाजपेयी ने संसद में कहा कि "अगर विपक्ष की नेता को प्रधानमंत्री की चिन्ता है तो उसका मतलब है कि हमारा लोकतंत्र स्वस्थ है"। यह भाईचारा अब नजर नहीं आता। लोकसभा के स्पीकर ओम बिरला ने भी सांसदों को पत्र लिख दुरूख प्रकट किया है कि "अतीत में तो सुरक्षा के अतिक्रमण के समय अनुकरणीय एकजुटता दिखाई गई थी"। अब ऐसा क्यों नहीं है? सत्तापक्ष और विपक्ष बीच संवाद बिल्कुल टूट गया है। विपक्षी सांसद सदन में विघ्न डालते रहते हैं, और सत्ता पक्ष निष्कासन–पे–निष्कासन से जवाब देता है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है। न केवल संसद भवन की सुरक्षा ही होनी चाहिए, संसदीय लोकतंत्र की भावना की रक्षा भी होनी चाहिए। जो दृश्य हम आजकल देख रहे हैं वह 'मदर ऑफ डिमौक्रेसी' को शोभा नहीं देता।

ठिठुरता गणतंत्र, आहत महामहिम

सर्वमित्रा सुरजन

कड़ाके की सर्दी पड़नी शुरु हो गई है। गण कांप रहे हैं, तंत्र पर पाला पड़ गया है। परसाई जी आज होते तो शायद ठिठुरते गणतंत्र में आहत महामहिम की व्यथा–कथा पर भी लिखते कि कैसे ऊंची कुर्सियों पर बैठे लोगों के हक मारे जा रहे हैं। अब समझ आ रहा है कि माननीय मोदीजी क्यों देश में भव्य राम मंदिर बनवा रहे हैं। बेचारे राम कब से अपने घर के बाहर हैं। सोचने वाली बात है कोई घर से बाहर रहेगा तो कैसे राज कायम करेगा। इसलिए मंदिर में श्री राम का विराजना और संसद में प्रधानमंत्री की आसंदी पर नरेन्द्र मोदी का विराजना जरूरी है। जब ऐसा होगा, तभी राम राज कायम होगा। अभी तो घोर कलजुग चल रहा है। सनातन धर्म को चुनौती दी जा रही है। क्या पिघले हुए सीसे अधर्मियों के कान में डालने की जगह नालियों में बहा दिए गए हैं। इसलिए इन्हीं नालियों से गैस बनाने का गुर मोदीजी सिखा रहे थे। कितने ज्ञानी और दूरदर्शी हैं वे, हर बात वक्त से पहले समझ जाते हैं। उन्होंने 2001 में ही देख लिया था कि आने वाले सालों में देश का क्या हाल होने वाला है। चाय बेचते–बेचते संन्यास लेने और गुफा में चश्मा लगाकर तपस्या करने का यही तो लाभ है कि आप इहलोक–परलोक सबके संकेत समझ जाते हैं। उन्हें अहसास था कि सदियों से चले आ रहे लोकतंत्र को आजादी के बाद मिले लोकतंत्र से चुनौती मिल सकती है। नेहरू एंड कंपनी ने आजादी और अधिकारों के नाम पर निचले तबके के लोगों को भी सिर चढ़ा लिया था। तभी तो एक बूढ़ी महिला ने नेहरू के गिरेबान को पकड़ कर सवाल कर लिया था कि आजादी मिली, तुम प्रधानमंत्री बन गए तो हमें क्या मिला। बदले में नेहरू ने जवाब दिया था कि आपको ये मिला है कि आप देश के प्रधानमंत्री का गिरेबान पकड़ कर खड़ी हैं।

बताइए भला, ये भी कोई बात हुई कि प्रधानमंत्री का गिरेबान पकड़ लिया जाए और वो बुरा भी न माने। बुलबुलसवार वीरों ने ऐसी आजादी की कल्पना कतई नहीं की थी। इसलिए आजादी की लड़ाई की जगह माफी मांगने पर जोर दिया गया। लेकिन इन कांग्रेसियों को कौन समझाए। आजादी के लिए लड़ते रहे, मरते रहे और जब आजादी मिली तो ऐसा लोकतंत्र और संविधान ले आए कि नीच–ऊंच सब सपाट करने की बात होने लगी। इसलिए अभी सरकार जितने तरह से हो सके, देश को ये समझा रही है कि असली आजादी 15 अगस्त के बाद मिली है, उसके पहले तो देश नेहरू का गुलाम रहा। मोदीजी जो बात–बात में नेहरू की गलतियां निकालते रहते हैं, उसमें कुछ गलत नहीं है। अगर वो भी नेहरू के नक्शेकदमों पर चल रहे होते तो फिर अखंड भारत और हिंदू राष्ट्र की बात कैसे होती। बिचारे ठिठुरते गणों ने कितने सपनों से मोदीजी को एक नहीं दो–दो बार सत्ता पर बिठाया है, ताकि देश में हिंदुओं का शासन कायम हो सके। मोदीजी को जुमलेबाज कहने वाले देशद्रोही ही नहीं गणद्रोही भी हैं। उन्हें मोदीजी को जुमलेबाज कहने की जगह देखना चाहिए कि हिंदुत्व के उत्थान के लिए कैसे वे दिन–रात एक करके काम कर रहे हैं। काम करने का मतलब, एक के बाद दूसरा मंदिर बनवाने से है। अयोध्या की जिम्मेदारी पूरी हो चुकी है। अब काशी, मथुरा कतार में लगा दिए गए हैं। इसके अलावा कभी महाकाल, कभी तिरूपति, कभी अक्षरधाम, कभी केदारनाथ, कहीं न कहीं मोदीजी पूजा–पाठ करते दिख ही जाएंगे। सनातन का महात्म्य इसी में है कि देश का प्रधानमंत्री पुराणों, मनु स्मृति में इन्हें दबाकर रखने कहा गया है तो फिर इस व्यवस्था को बदलने की क्या जरूरत है। इससे पहले कि पानी सिर के ऊपर से निकलता, टू मच डेमोक्रेसी को आखिरी विदा देने का फैसला ले लिया गया।

नए संसद भवन में सेंगोल को कितने श्रद्धाभाव से पुजारियों के दिशा–निर्देशों पर मोदीजी ने स्थापित किया था। उस सेंगोल को प्रयागराज के संग्रहालय की तरह सजावट की वस्तु बनाकर तो रखना नहीं था। इसलिए अब उसका इस्तेमाल शुरु हुआ है। जैसे नए चाकू की धार तेज होती है और बड़ी तेजी से सख्त दिखने वाले गाजर–मूली को काट देती है, कुछ इसी अंदाज में सेंगोल की छांव तले लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों से आवाज उठाने वाले सांसदों को बाहर किया गया। लेकिन सांसदों की धृष्टता इस पर भी खत्म नहीं हुई। संसद परिसर में बैठकर ही राज्यसभा सभापति की नकल उतारना और नकल उतारने वाले का वीडियो बनाना शुरु कर दिया। एक तो दिल्ली की सर्दी, ऊपर से ठिठुरते हुए गणतंत्र की चिंता और इसमें सांसदों का ऐसा व्यवहार, महामहिम का आहत होना स्वाभाविक था। उन्होंने भी टू मच डेमोक्रेसी की तरह कह दिया कुछ तो सीमा होती होगी। कुछ जगह तो बख्शो। सही बात है जो काम प्रधानमंत्री मोदी का है, अब उसे दूसरे सांसद करने लग जाएंगे, तो ये मोदीजी के अधिकार क्षेत्र का सरासर उल्लंघन है। संसद भवन के भीतर आंख मिचमिचाने की मिमिक्री करनी हो या बाहर ताली बजा–बजाकर सवाल पूछना हो, ये सब मोदीजी ही कर सकते हैं। किसी और को ऐसा करने का कोई हक नहीं है। इसलिए इस घटना से राज्यसभा के सभापति यानी उपराष्ट्रपति के साथ–साथ प्रधानमंत्री और बीजेपी के कई नेता आहत हो गए। यहां तक कि देश की प्रथम नागरिक राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू ने भी इस पर अपनी निराशा प्रकट कर दी।अब लग रहा है कि वाकई देश नए सिरे से आजाद हुआ है। क्योंकि अब लोगों को कपड़े देखकर मारने–पीटने, सिर पर पेशाब करने, नग्न करके घुमाने, गाड़ी से कुचलने, रस्सी बांधकर घसीटने, सरेआम अपशब्द कहने, भूखे, बिना इलाज के मरते देखने पर माननीयों की भावनाएं बिल्कुल आहत नहीं होती। लेकिन उन्हीं लोगों के चुने लोग संसद भवन में सवाल पूछें और जवाब की जगह निलंबन मिलने पर अपना रोष नकल उतार कर दिखाएं तो सारे माननीयों के मन में निराशा छा जाती है कि आखिर इस तरह देश में कैसे राम राज और मोदी राज आएगा।

असहमति को दबाने पर उतर आये हैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

अरुण श्रीवास्तव

इंडिया ब्लॉक और कांग्रेस की विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचाने के लिए अपने शस्त्रागार को समाप्त करने के बाद, भाजपा 2024 के लोकसभा चुनावों में जीत हासिल करने के मिशन के साथ, अब यह कहावत उछाल रही है कि नरेंद्र मोदी भारत के लौह पुरुष हैं जो पूरे देश की सुरक्षा सुनिश्चित कर सके और उसकी अखंडता को बरकरार रख सके।

निःसंदेह, ऐसी दो घटनाएं हैं जो सीधे तौर पर इस मुद्रा को अनुबंधित करती हैंय सबसे पहले, घुसपैठियों का एक झुंड नए संसद भवन में कूद गया और अंदर धुआं बम फेंक दिया, जिससे व्यापक दहशत फैल गईय और दूसरा, लोकसभा और राज्यसभा के 143 सदस्यों का निष्कासन जो मोदी की अटल, जीवन से भी बड़ी छवि के दावों का खंडन करता है। बीजेपी इकोसिस्टम का नया मंत्र यह है कि मोदी अजेय हैं, उनकी सत्ता को चुनौती नहीं दी जा सकती और भारत के पास कोई दूसरा नेता नहीं है जो उनका विकल्प बन सके।

दोनों घटनाओं को करीब से देखने पर यह स्पष्ट हो जाता है कि भाजपा अति–राष्ट्रवाद के तत्व को उभारने का प्रयास कर रही है। घुसपैठ के मामले में आश्चर्य की बात यह है कि राजनीतिक और प्रशासनिक दिखावा करने वाले दोनों शीर्ष नेताओं मोदी और अमित शाह ने निष्क्रिय और बहरा कर देने वाली चुप्पी बनाए रखना पसंद किया है। संसद में बयान देना अत्यंत संवैधानिक और कानूनी महत्व का मामला है। लेकिन घर से बाहर मीडिया को दिए गए बयान पर ऐसी कोई बाध्यता नहीं है। जाहिर है, मोदी और शाह सदन में ऐसा कोई बयान देना पसंद नहीं करते जिससे उनका राजनीतिक दोहरापन उजागर हो। इसमें कोई संदेह नहीं है कि उनके कार्य उस अहंकार को दर्शाते हैं जिसने उन्हें इस मनमाने तरीके से कार्य करने और संसद और इसकी पवित्रता के प्रति पर्याप्त अनादर प्रदर्शित करने के लिए मजबूर किया। इसके अतिरिक्त, यह दावा करना कि विपक्षी सांसदों का निलंबन आसन्न हो गया था क्योंकि उन्होंने सदन की छवि खराब की थी और सदन के कामकाज में बाधाएं पैदा की थीं, क्या यह अपने आप में एक भद्दा मजाक है। ऐसा पहली बार नहीं है कि मोदी जानबूझकर संसद में बयान देने से दूर रहे हों। पिछली बार उन्होंने इस हथकंडे का सहारा तब लिया था जब उन्होंने सदन के बाहर मणिपुर पर बयान दिया था। बाद में विपक्ष, विशेषकर राहुल गांधी द्वारा आलोचना किए जाने के बाद, उन्होंने एक सिलसिलेवार संदर्भ दिया। अब निचले सदन में बचे विपक्षी भारत गुट के प्रमुख चेहरों में कांग्रेस की सोनिया गांधी और राहुल गांधी और तृणमूल कांग्रेस के सुदीप बंद्योपाध्याय शामिल हैं। संसद की कार्यप्रणाली के 70 साल लंबे इतिहास में एक या दो दिन के भीतर सैकड़ों विपक्षी सांसदों को संसद से निलंबित किए जाने का जिक्र नहीं है। विपक्षी दलों ने मोदी सरकार पर शविपक्ष–विहीनश संसद में प्रमुख कानूनों को तोड़ने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। कैसी विडंबना है कि राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ इस बात से आहत हुए कि विपक्ष के नेता खड़गे ने उनके कक्ष में उनसे मिलने के उनके आदेश का जवाब नहीं दिया। धनखड़ ने अपने इनकार को अपना अपमान बताया। सदन फिर से शुरू होने के बाद खड़गे बोलने की अनुमति के लिए हाथ उठाते रहे, धनखड़ ने उन्हें मौका नहीं दिया और इस टिप्पणी के साथ सदन को स्थगित कर दियारू श्यह बहुत दर्दनाक दिन है। सदन को चिल्लाने वाली ब्रिगेड में तब्दील कर दिया गया है। मैंने गहरी पीड़ा के साथ यह (निर्णय) लिया है।श लेकिन संयोगवश उनकी टिप्पणी 45 सांसदों के निलंबन के बाद आई। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने विपक्षी सदस्यों द्वारा शाह के बयान और उनके इस्तीफे की मांग को सदन की सुरक्षा के लिए खतरे के रूप में देखा. कुछ विपक्षी सांसद अपनी मांगें लिखी तख्तियां भी लिए हुए थे। संसदीय कामकाज में यह कोई असामान्य बात नहीं है। तख्तियां ले जाना निश्चित रूप से उस सदन के लिए खतरा नहीं है जिसके वे सदस्य हैं। निलंबन से राजनीतिक घमासान शुरू हो गया और विपक्षी सदस्यों ने इस कार्रवाई को लोकतंत्र की हत्या करार दिया और सदन के नेता पीयूष गोयल ने दावा किया कि यह कार्रवाई आवश्यक थी क्योंकि विपक्षी सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति का अपमान किया था। पिछले कुछ दिनों में जो कुछ हुआ उससे यह स्पष्ट संदेश जाता है कि सरकार की हर कार्रवाई एक सोची–समझी साजिश का हिस्सा है।

श्री शारदा ग्रुप ऑफ इंस्टीटयूट द्वारा आयोजित क्षितिज 2023 मे लखनऊ जनपद के 40 से अधिक स्कूलों के 1600 से अधिक प्रतिभागियों ने विभिन्न प्रतियोगिता मे प्रतिभाग किया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

गोसाईगंज, लखनऊ। श्री शारदा ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन संस्था के प्रांगण में विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी 21 दिसंबर को क्षितिज कार्यक्रम 2023 का भव्य आयोजन संस्थान में किया गया। इस प्रतियोगिता में वॉलीबॉल, लॉन्ग जंप, सोलो डांस, वॉल पेंटिंग, कबड्डी, रेस, खोकृखो, व टग आफ वार आदि खेल आयोजित किए गए। इस आयोजन के मुख्य अतिथि के रूप मे माननीय गिरीश चन्द्र यादव मंत्री (खेल एवं युवा कल्याण मंत्रालय, स्वतंत्र प्रभार) उपस्थित होकर सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन व सम्मानित किया। संस्थान के चेयरमैन इंन्द्र बहादुर सिंह,वाईस चेयरमैन निरमेश सिंह व संस्थान के डीन प्रोफेसर विवेक मिश्रा ने माल्यार्पण कर उनका स्वागत किया। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि माननीय गिरीश चन्द्र यादव मंत्री (खेल एवं युवा कल्याण मंत्रालय, स्वतंत्र प्रभार) के द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर मुख्यअतिथि ने छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा श्केन्द्र सरकार ने युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए नई खेलनीति लागू की है ये युवा खिलाडी ही आने वाले समय मे भारत का प्रतिनिधित्व करेगें। संस्थान के बारे मे तारीफ करते हुए खेलमंत्री ने कहा कि इस तरह के आयोजन युवा खिलाडियों का उत्साहवर्धन करते है। इस आयोजन से छात्र छात्राओं को शिक्षा के साथ खेल मे अपना कैरियर बनाने का भी मौका मिल रहा है। छात्र और छात्राओं ने 100, 200 एवं 400 मीटर दौड, लांग जम्प,सोलो डांस, वॉल पेंटिंग, कबड्डी, रेस, खोकृखो, व टग आफ वार आदि खेलों मे अपना दमखम दिखाया। लखनऊ जिले के 40 से अधिक इंटर कालेज और 1600 से अधिक प्रतिभागियो ने बढचढ कर हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम मे वालीवाल की विजेता टीम शिशु मंदिर इंटर कालेज गोसाईगंज व रनरअप टीम सूर्या पब्लिक स्कूल मकनपुर, लॉन्ग जंप मे बॉयज टीम विजेता बाबूलाल यादव शिक्षण संस्थान, गर्ल्स टीम विजेता आर.पी. टी इंटर कॉलेज व रनरअप बॉयज टीम विजेता श्री रामेश्वर दास स्कूल, रनरअप गर्ल्स टीम विजेता तेजपाल इंटर कॉलेज इसके साथ 100 मी दौड बॉयज टीम विजेता इलाहाबाद पब्लिक स्कूल, गर्ल्स टीम विजेता जवाहरलाल नेहरू इंटर कॉलेज व रनरअप बॉयज टीम विजेता सेंट फ्रांसिस मिशन स्कूल, रनरअप गर्ल्स टीम विजेता श्री रामेश्वर दास स्कूल, 200 मी दौड बॉयज टीम विजेता आर.पी.टी इंटर कॉलेज, गर्ल्स टीम विजेता जवाहरलाल नेहरू इंटर कॉलेज, व रनरअप बॉयज टीम विजेता राष्ट्रीय उद्योग पब्लिक इंटर कॉलेज, रनरअप गर्ल्स टीम विजेता जवाहरलाल नेहरू इंटर कॉलेज एवं 400 मी दौड के बॉयज टीम विजेता राष्ट्रीय उद्योग पब्लिक इंटर कॉलेज, गर्ल्स टीम विजेता जवाहरलाल नेहरू इंटर कॉलेज व रनरअप बॉयज टीम विजेता आर.पी. टी इंटर कॉलेज, रनरअप गर्ल्स टीम विजेता लाला गणेश प्रसाद वर्मा इंटर कॉलेज, सोलो डांस मे विजेता टीम सेंट फ्रांसिस मिशन स्कूल व रनरअप टीम विजेता सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज वालपेंटिग की विजेता टीम एन. के. एम इंटर कॉलेज व रनरअप टीम विजेता मां श्री विंध्यवासिनी इंटर स्कूल, कबड्डी मे बॉयज विजेता टीम जवाहरलाल नेहरू इंटर कॉलेज व गर्ल्स टीम विजेता रामपाल त्रिवेदी इंटर कॉलेज, खोकृखो मे बॉयज टीम विजेता बाबूलाल यादव शिक्षा संस्थान, खोकृखो में गर्ल्स टीम विजेता सेंट फ्रांसिस मिशन स्कूल, टग आफ वार मे बॉयज विजेता टीम सेंट फ्रांसिस मिशन स्कूल, गर्ल्स टीम विजेता नेहरू मेमोरियल इंटर कॉलेज व रनरअप बॉयज टीम विजेता नेहरू मेमोरियल इंटर कॉलेज, रनरअप गर्ल्स टीम विजेता बाबूलाल यादव शिक्षा संस्थान, विचार (माय स्कूल इज वेस्ट) मे विजता टीम संकट मोचन इंटर कॉलेज व रनरअप जी टीम विजेता कॉल्विन पब्लिक स्कूल, तस्वीर सेल्फी कांटेस्ट मे विजेता टीम कॉल्विन पब्लिक स्कूल व रनरअप टीम विजेता मां श्री विंध्यवासिनी इंटर स्कूल रही।

सांसदों के अलोकतांत्रिक निलम्बन के विरोध में इंडिया गठबंधन ने कलेक्ट्रेट परिसर में दिया धरना

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव निर्देश पर सपा के निवर्तमान जिलाअध्यक्ष डां अवधनाथ पाल के नेतृत्व में इंडिया गठबंधन के साथियों के साथ 142 सांसदों के अलोकतांत्रिक निलम्बन के विरोध में कलेक्ट्रेट परिसर में विशाल धरना दिया।धरना का नेतृत्व कर रहें डां अवधनाथ पाल ने कहा है कि भाजपा सरकार लोकतंत्र संविधान को खत्म कर देना चाहती हैं सरकार के खिलाफ जो भी बोलेगा उसे प्रताड़ित और जेलों में भेजने का काम करती हैं विपक्ष के सांसदों का जिस तरह निलंबन हुआ उससे अब यही महसूस हो रहा है भाजपा सरकार लोकतंत्र प्रक्रिया को पूर्ण रूप से खत्म कर देना चाहती है सरकार के गलत नीतियों से देश की जनता, किसान और नौजवान सभी लोग दुःखी है। केन्द्र की सरकार उद्योगपतियों की सरकार है। यह गरीब और किसान की सरकार नहीं है। केन्द्र की भाजपा सरकार ने उद्योगपतियों का कर्ज माफ कर दिया लेकिन किसानों का कर्ज माफ नहीं किया। जनता भाजपा से नाराज है और वह परिवर्तन चाहती है। 2024 के लोकसभा चुनाव में जनता भाजपा को सत्ता से हटा देगी।

पूर्व मंत्री शैलेन्द्र यादव ललई ने कहा कि भाजपा सरकार, सरकारी एजेंसियों का गलत इस्तेमाल कर रही है। जनता सब देख रही है। जो भी एजेंसियों का गलत इस्तेमाल करेगा। जनता उसे हरा देगी। जनता भाजपा को सत्ता के दुरूपयोग की सजा देगी।

कहा कि समाजवादी पार्टी की रणनीति इंडिया गठबंधन को मजबूत करने की है। इंडिया गठबंधन पीडीए के रास्ते पर चलकर मजबूत होगा। इंडिया गठबंधन भाजपा को हराएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा हटेगी तो संविधान और लोकतंत्र बचेगा।

कहा कि समाजवादियों की लड़ाई पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यकों को संवैधानिक अधिकार दिलाने के लिए हैं। जातीय जनगणना की मांग कर रहे हैं। जातीय जनगणना से ही सामाजिक न्याय मिलेगा। सामाजिक न्याय का रास्ता जातीय जनगणना से निकलता है, जातीय जनगणना हर हालत में होनी चाहिए। धरनें मे मुख्य रूप से विधायक पंकज पटेल, पूर्व विधायक लालबहादुर यादव, राजबहादुर यादव, कांग्रेस जिला अध्यक्ष फैसल हसन तबरेज,ऊदल यादव, श्रवण जायसवाल राहुल त्रिपाठी इरशाद मंसूरी हीरालाल विश्वकर्मा राजेंद्र टाइगर, राजेश यादव विवेक रंजन राजन यादव, शुशील चन्द्र, मेवा लाल गौतम संजय सरोज अनील दूबे,भानु मौर्या गुड्डू सोनकर शिवजीत दिलीप प्रजापति आशुतोष मौर्या रामू मौर्या, रुक्सार अहमद, मनोज मौर्या, राकेश अहिर,राजकुमार बिन्द, दीपचंद राम,विरेन्द्र यादव, सालिकराम पटेल, सुभाष पटेल,पंकज मिश्रा, राममूर्ति सरोज राहुल यादव,संजीव साहू,सहित काफी संख्या में गंठबंधन के लोग मौजूद रहे संचालन निवर्तमान महासचिव अखण्ड प्रताप यादव के ने किया ।।

श्री राम लाइफ इंश्योरेंस का जोनल अधिवेशन आरंभ,दीप प्रज्वलन आशीष सिंह ने किया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। श्री राम लाइफ इंश्योरेंस का जोनल अधिवेशन रमादा होटल लखनऊ में सम्पन्न हुआ। शुरुआतआशीष सिंह, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट एवम बिजनेस हेड श्री राम लाइफ इंश्योरेंस कम्पनी लि. द्वारा हुई, तत्पश्चात प्रबंध निदेशक मनोज कुमार जैन ने वीडियो के माध्यम से सभी को संबोधित किया एवम कर्मियों का उत्साह वर्धन किया,7 वर्षों में कम्पनी को दुगुने व्यापार पर लेकर जाना हैएवम बताया की अब कम्पनी का क्लेम रेशियो 97: है, जिसके लिए कम्पनी को फिक्की द्वारा पुरस्कार भी हाल ही में मिला है, संबोधन में कहा की श्री राम की गत वर्षों की सफलता का श्रेय कर्मचारी को जाता है। अधिवेशन में उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, झारखंड, छ्तीसगढ़ , विदर्भ कुल ६ प्रदेशों के सेल्स ऑफिसर, एफ.एल.एम, असिस्टेंट एरिया मैनेजर, डिवीजन मैनेजर, रीजनल मैनेजर एवम कार्यकर्ता शामिल हुए। विशिष्ट अतिथि के रूप में श्याम चरण पाण्डेय असिस्टेंट वाइस प्रेसिडेंट एवम शिशिर जैन, , वाइस प्रेसिडेंट भी उपस्थित रहे।

प्रभु की कृपा ही मंगल कारी है

संवाददाता

लखनऊ। हम मानव इतने अभिमानी हो जाते हैं की हमेशा बड़े ही बने रहना चाहते है हमे तो नारायण से मार्गदर्शन प्राप्त करना चाहिए की उन्हें धर्म कार्य में छोटा बनना पड़े तो भी परेशानी नहीं तभी तो छीरसागर में शयन करने वाले वामन अवतार धारण कर लेते हैं। यह बात सदर में चल रही भागवत कथा में गुरुवार को नैमिषारण्य धाम के आचार्य सुधीर कृष्ण शास्त्री ने कही। उन्होंने कहा कि भगवान वामन ही विराट बनते हैं भगवान के चरणों का जल ही गंगा है।

सभी साहबा सितारों की तरह सम्मानित मार्गदर्शक हैं : अफाक

संवाददाता

लखनऊ। राष्ट्रीय सामाजिक कार्य कर्ता संगठन के संयोजक मोहम्मद अफाक ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि अलहम्दुलिल्लाह अहल–ए–सुन्नत वलजमात का सर्वसम्मत विश्वास है कि सभी साहबा राजी० सम्मानित मार्गदर्शक की तरह सितारे के हैं। जो लोग बनू उमैया के कबीले से ताल्लुक रखने वाले हजरत अमीर मुआविया राजी० को कोस रहे हैं और उन्हें बदनाम कर रहे हैं, वे अहलेबैत के नाम पर अराजकता पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। इस पर ओलेमा को ध्यान देने की सख्त जरूरत है।

एक माह बाद विराजमान होंगे रामलला

रामर्मंदिर पर 7.5 स्केल की तीव्रता के भूकंप का भी नहीं होगा असर

संवाददाता

लखनऊ। भगवान श्रीराम आ रहे हैं। उनके स्वागत को अयोध्या बेताब है। हर कोई 22 जनवरी के इंतजार में है। अयोध्या का आंगन सज रहा है। देश–विदेश के वास्तुविद, शीर्षस्थ कंपनियों के इंजीनियर और दूसरी विधाओं के विशेषज्ञ राममंदिर को आकार दे रहे हैं।सामान्य मंदिरों से इतर गहरी नींव, मजबूत आधार के साथ यह केवल पत्थरों से बना होगा। महज कुछ साल तक चलने वाली सीमेंट जैसे दूसरे पदार्थों का रंचमात्र प्रयोग नहीं हो रहा। रामलला का घर भूकंपरोधी होगा। एक हजार साल से ज्यादा समय तक अक्षुण्ण रहेगा। उत्तर और मध्य भारत में प्रचलित मंदिरों की नागर शैली में सरयू के किनारे बन रहा राममंदिर भौतिक विशिष्टताओं की खान है। राममंदिर पूर्व मुखी है। मंदिर में तीन तल हैं। ऊंचाई 161 फीट है। प्रत्येक तल की ऊंचाई 20 फीट होगी। पूरब और पश्चिम दिशा में मंदिर 350 फीट लंबा होगा। उत्तर–दक्षिण दिशा में

235 फीट चौड़ा होगा। मंदिर में पांच गुंबद यानि मंडप होंगे, जिसमें से अब तक तीन मंडप तैयार हो चुके हैं। चौथे मंडप का काम चल रहा है।राममंदिर निर्माण में 3500 कारीगर व मजदूर लगाए गए हैं। ये मजदूर राजस्थान, कर्नाटक, तेलंगाना, महाराष्ट्र, हैदराबाद आदि राज्यों के हैं। राममंदिर निर्माण का काम रात में भी होता है। इसके लिए दो शिफ्ट में आठ–आठ घंटे मजदूरों की ड्यूटी लगाई जाती है। हैदराबाद के कारीगर रामसेवकपुरम में राममंदिर के दरवाजों का निर्माण कर रहे हैं।राममंदिर की खिड़कियां, चौखट, दरवाजे महाराष्ट्र के चंद्रपुर की सागौन की लकड़ी से बन रहे हैं। राममंदिर में कुल 42 दरवाजे लगाए जा रहे हैं। ये सभी दरवाजे सागौन की लकड़ी से बन रहे हैं। मंदिर निर्माण मुख्य रूप से राजस्थान के मिर्जापुर और बंसीपहाड़पुर के गुलाबी बलुआ पत्थर और नक्काशीदार संगमरमर से हुआ। गुलाबी पत्थरों की चमक सैकड़ों साल तक रहती है। मंदिर की नींव में 17,000 ग्रेनाइट पत्थरों का इस्तेमाल किया गया है। प्रत्येक का वजन दो टन है। ग्रेनाइट पत्थर ठोस होता है। पानी के रिसाव को सोख लेता है। इसलिए नींव की मजबूती के लिए इसका इस्तेमाल किया गया है। राममंदिर की नींव 50 फीट गहरी रखी है। इसे बनाने में सात महीने लगे थे। नींव में 47 परतें बिछाई गई हैं। ट्रस्ट का कहना है कि मंदिर को कम से कम एक हजार साल तक किसी प्रकार के मरम्मत की आवश्यकता नहीं होगी। दावा है कि 7.5 तीव्रता के भूकंप का असर राममंदिर पर नहीं होगा। बाढ़ से बचाने के लिए मंदिर के चारों दिशाओं में 50 फीट गहरी सुरक्षा दीवार बन रही है।रामलला की अचल मूर्ति 51 इंच की होगी। कमल के आसन पर रामलला विराजेंगे। हाथ में धनुष–बाण होगा। आसन सहित प्रत्येक मूर्ति की ऊंचाई लगभग सात फीट होगी। राममंदिर का एक अन्य आकर्षण यह है कि हर रामनवमी को सूर्य की किरणें रामलला का अभिषेक करेंगी। सूर्य के प्रकाश को रामलला के माथे पर प्रतिबंधित करने के लिए एक उपकरण भी गर्भगृह में लगाया जा चुका है। इस पर इसरो के वैज्ञानिक काम कर रहे हैं।राममंदिर निर्माण की संपूर्ण तकनीक और इस ऐतिहासिक काम में लगी तकनीकी संस्थाओं की रिपोर्ट को लेकर डॉक्यूमेंट्री बन रही है। डॉक्यूमेंट्री के लिए अमिताभ बच्चन अपनी आवाज दे रहे हैं। मंदिर बनने के बाद रिलीज होगी। राममंदिर में रोजाना एक लाख भक्त दर्शन–पूजन कर सकेंगे। परिसर में आस्था के साथ आधुनिकता की झांकी दिखेगी।आधुनिक सुविधाओं वाले प्रकल्प, सीवर ट्रीटमेंट, वाटर ट्रीटमेंट से लेकर यात्री सुविधा केंद्र, पार्किंग, चिकित्सालय, सामुदायिक रसोई की व्यवस्था होगी।

जनता दर्शन में सीएम योगी ने सुनी 300 लोगों की समस्याएं

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को चेतावनी दी है कि पीड़ितों की मदद में विलंब और लापरवाही कतई नहीं होनी चाहिए। गोरखनाथ मंदिर में जनता जनता दर्शन के दौरान लोगों की समस्याएं सुनने के दौरान योगी ने अधिकारियों से कहा कि जनता की समस्याओं के समाधान में किसी तरह की लापरवाही हुई तो संबंधित के खिलाफ कार्रवाई भी तय है। किसी पीड़ित की समस्या के समाधान में अगर कहीं भी कोई दिक्कत आ रही है तो उसका पता लगाकर निराकरण कराया जाए और किसी स्तर पर जानबूझकर कर प्रकरण को लंबित रखा गया है तो संबंधित की जवाबदेही तय की जाए। मिली जानकारी के मुताबिक, मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने करीब 300 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और सभी को आश्वस्त किया कि किसी को भी घबराने की आवश्यकता नहीं है।

हर समस्या का वह प्रभावी निस्तारण कराएंगे। इसे लेकर उन्होंने प्रशासन व पुलिस के अधिकारियों को मौके पर ही दो टूक समझाया कि जनता की समस्याओं का समयबद्ध, निष्पक्ष और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें। कुछ प्रकरणों पर उन्होंने अफसरों को निर्देशित किया कि यह भी पता लगाएं कि यदि किसी को प्रशासन का सहयोग नहीं मिला है तो ऐसा क्यों और किन कारणों से हुआ। हर पीड़ित की तुरंत मदद की जाए। आपको बता दें कि उन्होंने जमीन कब्जाने की शिकायतों पर विधि सम्मत कठोर कदम उठाने का निर्देश दिया। हर बार की तरह इस बार भी जनता दर्शन में कई लोग इलाज में आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे।

राज्यपाल ने जनपद चित्रकूट में विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा बैठक की

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में आज जनपद चित्रकूट के कलेक्ट्रेट सभागार में केन्द्र सरकार द्वारा पोषित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा बैठक की। राज्यपाल ने समीक्षा बैठक में जल जीवन मिशन, समग्र शिक्षा योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री आवास ग्रामीण व शहरी, मनरेगा योजना, अमृत सरोवर निर्माण, खेल मैदान, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, राज्य वित्त आयोग, वृद्धावस्था पेंशन, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, आयुष्मान भारत, मातृ वंदना योजना, स्वच्छ शौचालय, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना आदि योजनाओं की बिंदुवार समीक्षा की। राज्यपाल ने कहा कि सभी कल्याणकारी योजनाएं आम जनता तक कैसे पहुंचे, इस पर सभी संबंधित अधिकारियों को सोचना चाहिए तभी गरीबों को लाभ मिलेगा। राज्यपाल जी ने निर्देश दिया कि जिन कार्यों के लिए शासन से धनराशि मिलती है। उसका समय से सदुपयोग करें। प्रत्येक कार्य का लक्ष्य तय करें और योजना बनाकर कार्य करें। इस अवसर पर राज्यपाल ने सभी अधिकारियों से कहा कि चित्रकूट की पावन धरा भगवान श्री राम से

जुड़ी हुई है। अयोध्या में भव्य श्री राम मंदिर का निर्माण हो रहा है, जो तीर्थ यात्री वहां पर दर्शन हेतु जाएंगे, वे चित्रकूट अवश्य आएंगे। इसलिए परिक्रमा पथ तथा तीर्थ क्षेत्र की साफ–सफाई नियमित रूप से की जाय। राज्यपाल ने जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देश दिया कि 3 वर्ष तक के सभी बच्चे आंगनबाड़ी केंद्र में शत–प्रतिशत आने चाहिए। उन्होंने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को भी निर्देश दिया कि कोई भी परिवार अगर अन्य जनपद या बाहर किसी गांव में काम के लिए जा रहा है तो शिक्षकों को निर्देश दें कि वहां के विद्यालयों के अध्यापकों से संपर्क स्थापित कर वहां पर जो परिवार के बच्चे आपके विद्यालय में नामांकित है उनको वहां पर नामांकित कराकर शिक्षा ग्रहण अवश्य कराएं। उन्होंने कहा कि ऐसा कोई विषय नहीं जिसका हल नहीं निकल सकता कार्य करने की मंशा सही होना चाहिए।राज्यपाल ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिया कि प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत आयुष्मान कार्ड बनाने के कार्य को शीघ्रता से पूर्ण करें साथ ही यह भी प्रयास करें कि शत–प्रतिशत प्रसव शासकीय अस्पताल पर हो। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना बहुत अच्छी योजना है इसका सभी को लाभ दिया जाए टीबी रोगियों को गोद लेकर उनको पोषण पोटली उपलब्ध कराई जाय। इस कार्य में व्यापार मंडल तथा स्वयंसेवी संस्थाओं का सहयोग लिया जा सकता है। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने राज्यपाल को एक जनपद एक उत्पाद के तहत स्मृति चिन्ह भेंट किया। बैठक में जिलाधिकारी अभिषेक आनंद, मुख्य विकास अधिकारी अमृतपाल कौर सहित सभी संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

जलकल जीएम के खिलाफ पार्षद धरने पर बैठे

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ में नगर निगम कार्यकारिणी के बैठक में जीएम जलकल के खिलाफ पार्षद समेत मेयर ने नाराजगी दिखाई। मेयर की आदेश का अवहेलना करने के आरोप में पार्षद जीएम के खिलाफ धरने पर बैठ गए। बीजेपी पार्षद रंजीत ने उनके ऊपर अभद्र व्यवहार करने का आरोप लगाया। यहां तक की कार्यकारिणी सदस्यों के सवालों से जलकल विभाग के महाप्रबंधक मनोज आर्या करीब पांच घंटे तक घिरे रहे। लगातार हंगामा देख जीएम बैठक ही छोड़कर चले गए। उन्होंने कहा कि उनको टारगेट किया जा रहा है और वह बैठक छोड़कर चले गए। ऐसे में। जीएम के इस रैवये को लेकर सभी सदस्य धरने पर बैठ गए। कार्यकारिणी में निंदा प्रस्ताव लाया गया और आगामी चुनाव को देखते हुए महाप्रबंधक को हटाए जाने के लिए कार्यकारिणी की मंशा से शासन को अवगत कराने का निर्णय लिया गया। मेयर सुषमा खर्कवाल ने बताया कि दो दिसंबर को वह बालागंज वाटर वर्क्स का निरीक्षण करने गई थी। यहां पर सुरक्षा गार्डों की तैनाती में अनियमितता मिली थी। इसके बाद जीएम को अजय सिक्योरिटी के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिया गया। मगर अभी तक उसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। इस पर मेयर ने उनके आदेश का अनुपालन न करने पर सख्त नाराजगी जाहिर की। सिक्योरिटी एजेंसी के खिलाफ कार्रवाई न करने पर नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह ने भी जीएम को 13 दिसंबर को पत्र लिखकर कार्रवाई न करने की वजह पूछी। इस पर जीएम ने हाल ही में नियुक्ति, बैठकों व महत्वपूर्ण काम न होने की वजह बताया। भाजपा के 10 व सपा के दो पार्षदों ने जीएम के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। उन्हें पार्षदों के साथ अध्यक्ष ने भी खरीखोटी सुनाई। भविष्य के लिए हिदायत भी दी। इस पर जीएम ने माफी मांगने की बजाय कहा उन्हें कोई पछतावा नहीं है। उन्हें ही काफी देर से टारगेट किया जा रहा है। इस पर कार्यकारिणी का माहौल और गर्म हो गया। मेयर का अपमान होने पर पार्षदों का आक्रोश फूट पड़ा। राजकुमार हाल में बैठक के दौरान धरने पर बैठ गए। गोमतीनगर रेलवे स्टेशन को अटल बिहारी वाजपेयी के नाम से करने की भी मंजूरी दे दी गई है। सांसद प्रतिनिधि दिवाकर त्रिपाठी के प्रस्ताव को पास करने के बाद अब इसे शासन भेजा जाएगा।

सैनिक स्विमिंग/ प्रबंधन की लापरवाही से हुई छात्र की मौत

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ में सैनिक स्कूल में 8 सितंबर 2023 को संदिग्ध हालात में हुई 11वीं के छात्र ओम बुधौलिया की मौत मामले में पुलिस ने चार्जशीट दाखिल कर दी है। पुलिस ने परिजनों की तहरीर पर दर्ज गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया था। पुलिस की जांच में सामने आया है कि पूरे घटना में स्कूल प्रबंधन के जिम्मेदारों की लापरवाही से छात्र की मौत हुई। इसके चलते स्कूल के वार्डन, स्विमिंग कोच और लाइफ गार्ड के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गई है। मूलरुप से उरई निवासी सीआरपीएफ में एएसआई मनोज कुमार का बेटा ओम बुधौलिया सैनिक स्कूल से पढ़ाई कर रहा था। आठ सितंबर की शाम ओम का शव स्कूल परिसर में बने स्वीमिंग पूल में उतराता मिला था। 16 सितंबर को मनोज ने सरोजनीनगर थाने में स्कूल के प्रिंसिपल, वार्डन, लाइफ गार्ड, शिक्षक व कर्मचारियोंपर गैर इरादतन हत्या की धारा में केस दर्ज कराया था। वहीं, मंडलायुक्त ने मामले में मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दिए थे। इंस्पेक्टर सरोजनीनगर शैलेंद्र गिरि ने बताया, केस की विवेचना में गैर इरादतद हत्या या हत्या को लेकर कोई सबूत नहीं मिले।

कांग्रेस नेताओं को भेजा गया प्राण प्रतिष्ठा समारोह का निमंत्रण

संवाददाता

लखनऊ। 22 जनवरी को अयोध्या में होने वाले श्री राम मंदिर के प्रतिष्ठा समारोह में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और लोकसभा में नेता कांग्रेस अधीर रंजन चौधरी को आमंत्रित किया गया है।

ट्रस्ट ने कांग्रेस नेताओं को व्यक्तिगत तौर पर निमंत्रण भेजा है। पूर्व प्रधानमंत्रियों मनमोहन सिंह और एचडी देवगौड़ा को भी आमंत्रित किया गया है। निमंत्रण भेजने की प्रक्रिया जारी है और आने वाले दिनों में और भी विपक्षी नेताओं को निमंत्रण मिलेगा।22 जनवरी को राम मंदिर उद्घाटन समारोह में सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे और अधीर चौधरी को आमंत्रित किया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक सोनिया गांधी और खड़गे को राम मंदिर निर्माण से जुड़े एक प्रतिनिधिमंडल ने आमंत्रित किया था, जिसमें नृपेंद्र मिश्रा भी शामिल थे। पूर्व राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल और राजनीतिक दलों के प्रमुखों को आमंत्रित किया गया है। उद्घाटन समारोह में सभी राष्ट्रीय राजनीतिक दलों के प्रमुखों को आमंत्रित किया गया है, लेकिन मुख्यमंत्रियों और राज्यपालों का नाम आमंत्रित लोगों की सूची में नहीं है। कई मुख्यमंत्री राजनीतिक दलों के प्रमुख हैं, जिन्हे निमंत्रण है।

काशी विश्वनाथ, वैष्णो देवी जैसे प्रमुख मंदिरों के प्रमुख ,धार्मिक, संवैधानिक संस्थानों के प्रतिनिधि, आध्यात्मिक नेता दलाई लामा, केरल की माता अमृतानंदमयी, योग गुरु बाबा रामदेव, अभिनेता रजनीकांत, अमिताभ बच्चन, माधुरी दीक्षित, अरुण गोविल, फिल्म निर्देशक मधुर भंडारकर और मुकेश अंबानी, अनिल अंबानी, प्रसिद्ध चित्रकार वासुदेव कामत, इसरो निदेशक नीलेश देसाई जैसे उद्योगपतियों को आमंत्रित किया गया है।

विश्व हिंदू परिषद ने मंगलवार को लालकृष्ण आडवाणी और मुरली मनोहर जोशी को आमंत्रित किया, जो 90 के दशक में राम मंदिर आंदोलन में सबसे आगे थे।

दोनों ने कहा कि अगर स्वास्थ्य अनुमति देगा तो समारोह में शामिल होने का हरसंभव प्रयास करेंगे। लालकृष्ण आडवाणी 96 साल के हैं और एमएम जोशी जनवरी में 90 साल के हो जाएंगे।

भ्रष्टाचार निवारण संगठन टीम ने पांच हजार रुपये घूस लेते चकबंदी लेखपाल को किया गिरफ्तार

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)। शुक्रवार को दोपहर भ्रष्टाचार निरोधक संगठन अयोध्या की टीम ने पांच हजार रुपये घूस लेते हुए रंगे हाथों मिल्कीपुर में तैनात चकबंदी लेखपाल को कार्यालय सहायक चकबंदी मिल्कीपुर (कलेक्ट्रेट) अयोध्या से गिरफ्तार किया।कैंट थाना परिसर में इस बात की जानकारी देते हुए प्रभारी निरीक्षक भ्रष्टाचार निवारण संगठन अयोध्या

राय साहब द्विवेदी ने बताया कि गिरफ्तार किया गया आरोपी चकबंदी लेखपाल राम नारायण पुत्र स्वर्गीय भगेलू राम निवासी नगपुर थाना जलालपुर जिला अम्बेडकर नगर जो कि वर्तमान समय में साकेत पुरी कोतवाली अयोध्या में रह रहे हैं। उन्होंने बताया कि 19 दिसंबर को पीड़ित रघुवंश मणि त्रिपाठी ने उक्त चकबंदी लेखपाल के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण संगठन विभाग में शिकायत किया कि उक्त लेखपाल पीड़ित से चक संख्या 84 स्थित मलेथू बुजुर्ग अमल दरामद दर्ज करने के लिये पांच हजार रुपये घूस मांग रहे हैं।पीड़ित द्वारा दिए गए शिकायत को गंभीरता से लेते हुए भ्रष्टाचार निवारण संगठन के प्रभारी निरीक्षक राय साहब द्विवेदी ने अपने नेतृत्व में एक टीम गठित कर पीड़ित की सूचना पर उक्त आरोपी चकबंदी लेखपाल को पांच हजार रुपये पीड़ित से रंगे हाथों घूस लेते हुए गिरफ्तार किया।

अपोलोमेडिक्स हॉस्पिटल में हुआ यूपी का पहला प्राइमरी इम्यूनोडेफिशिएंसी बोन मैरो ट्रांसप्लांट

उत्तर प्रदेश में प्राइमरी इम्युनोडेफिशिएंसी मरीजों को मिली आशा की नई किरण

इस दुर्लभ बीमारी के दुनिया भर में केवल 200 विषम मामले रिपोर्ट किए गए, जिनमें विभिन्न परिणामों वाले केवल 10-11 रोगियों को हुए बोन मैरो ट्रांसप्लांट का डेटा उपलब्ध

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। अपोलोमेडिक्स हॉस्पिटल ने एक अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल करते हुए हेमेटोलॉजिस्ट और बोन मैरो ट्रांसप्लांट एक्सपर्ट डॉ. प्रियंका चौहान के नेतृत्व में एक्टिवेटेड पीआईउके डेल्टा सिंड्रोम (एपीडीएस) के लिए सफलतापूर्वक पहला एलोजेनिक स्टेम सेल ट्रांसप्लांट किया है। इस दुर्लभ प्राइमरी इम्यूनोडेफिशिएंसी रोग से पीड़ित 14 वर्षीय लड़का है, जिसमें सात साल की उम्र में इस बीमारी को डायग्नोस किया गया था। इलाज के लिए उसके शरीर में एंटीबॉडीज पूरी करने के लिए हर महीने इम्युनोग्लोबिन इंजेक्शन दिया जा रहा था। यह इलाज न केवल महंगा है, बल्कि रोगी की साधारण पारिवारिक स्थिति के चलते इलाज की उपलब्धता भी चुनौती बन चुकी थी।

पिछले वर्ष, मरीज और उसके परिवार ने लखनऊ के अपोलोमेडिक्स अस्पताल में इलाज के लिए संपर्क किया। राहत वाली बात यह रही कि मरीज का भाई बोन मैरो ट्रांसप्लांट के लिए पूर्ण एचएलए मैच डोनर पाया गया।

अपोलोमेडिक्स हॉस्पिटल, लखनऊ में हेमोटोलॉजी और ऑन्कोलॉजी की कंसल्टेंट डॉ. प्रियंका चौहान ने बताया, ष्प्राइमरी इम्युनोडेफिशिएंसी रोग दुर्लभ आनुवंशिक स्थिति है, जो बार-बार होने वाले या गंभीर संक्रमण, ऑटोइम्यून विकारों और कैंसर के प्रति बढ़ती संवेदनशीलता के कारण रोगियों और चिकित्सा पेशेवरों के लिए महत्वपूर्ण चुनौतियां पैदा करती हैं। इस रोग के दुनिया भर में केवल 200 मामले सामने आए हैं, लेकिन साइंटिफिक जर्नल्स के अनुसार आज तक केवल 10-11 मामलों में ही बोन मैरो ट्रांसप्लांट में सीमित सफलता देखी गई है। उत्तर प्रदेश में इस मर्ज से पीड़ित रोगियों के लिए एक आशा की किरण तब जगी, जब 14 वर्षीय लड़के का लखनऊ के अपोलो मेडिक्स अस्पताल में सफल बोन मैरो ट्रांसप्लांट किया गया। उपचार के विकल्पों में चल रहे अनुसंधान और प्रगति केसाथ, इस दुर्लभ प्राइमरी इम्यूनोडेफिशिएंसी रोग से प्रभावित लोगों के लिए बेहतर परिणाम और जीवन की गुणवत्ता में सुधार की उम्मीद बढ़ी है।

इस सफल बोन मैरो ट्रांसप्लांट की प्रक्रिया चुनौतियों से भरी हुई थी। मरीज का लीवर भी इस बीमारी से प्रभावित था, जिससे ट्रांसप्लांट की प्रक्रिया और भी जटिल हो गई थी। इसके अतिरिक्त, मरीज बार-बार संक्रमण के कारण बेसलाइन फेफड़ों की बीमारी से भी पीड़ित रहा था, जिसके लिए प्रत्यारोपण से पहले और बाद में इसे सावधानीपूर्वक मैनेज किया जाना बेहद आवश्यक था। ट्रांसप्लांट के दौरान श्वसन संक्रमण एक प्रमुख चिंता का विषय था, जिसके लिए एंटीबायोटिक और एंटीफंगल उपचार की आवश्यकता थी, साथ ही उसके इम्यूनिटी सिस्टम बढ़ाने के लिए व्हाइट ब्लड सेल्स (ग्रैनुलोसाइट्स) भी चढ़ाए गए। उपचार के दौरान, रोगी में लक्षणों और जटिलताओं को मैनेज करने के लिए उसकी सहायक देखभाल भी की गई। इलाज की प्रगति पर नजर रखने और किसी भी चिंता की स्थिति का तुरंत समाधान करने के लिए नियमित निगरानी और फॉलोअप बेहद आवश्यक था। ट्रांसप्लांट के दो महीने बाद, उसके शरीर में 98: डोनर सेल्स काम कर रही हैं और उसका स्वास्थ्य निरंतर बेहतर हो रहा है, जो सकारात्मक परिणाम का संकेत है। अपोलोमेडिक्स हॉस्पिटल के सीईओ एंड एमडी डॉ. मयंक सोमानी ने अभूतपूर्व उपलब्धि के बारे में चर्चा करते हुए कहा, ष्प्राइमरी इम्यूनोडेफिशियेंसी मरीज की सेहत के लिए कई जटिल चुनौतियों को पैदा करती है और इस दुर्लभ रोग के लिए उत्तर प्रदेश का पहला बोन मैरो ट्रांसप्लांट करने में हमारी उपलब्धि एक आशा की किरण लेकर आई है। दुनिया भर में केवल कुछ ही मामलों के अलावा, हमारे प्रयासों और उच्च कुशल डॉक्टरों की एक टीम ने उपचार के विकल्पों को बढ़ाने और रोगियों के लिए उम्मीद बढ़ाने में महत्पूर्ण सफलता हासिल की है।

एस आर ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन में राष्ट्रीय गणित दिवस धूमधाम से मनाया गया

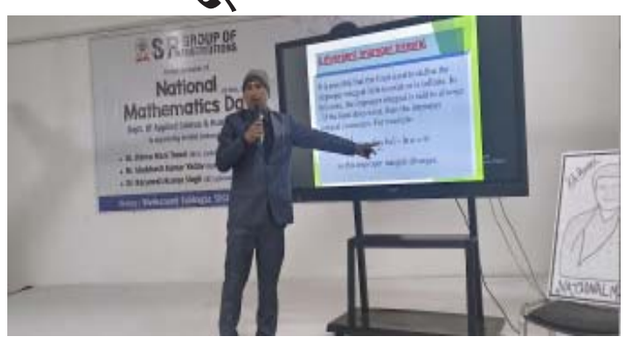

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। बक्शी के तालाब में स्थित एस आर ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन में राष्ट्रीय गणित दिवस के रूप में धूमधाम से मनाया गया। इस उत्सव में तीनों मुख्य अतिथियों, डॉ. चिंतामणि तिवारी, डॉ. शुभाष कुमार यादव, और डॉ. करुणेश कुमार सिंह ने भारतीय गणितीय जगत को समानतात्मक दृष्टिकोण से देखने का समर्पण किया।

डॉ. चिंतामणि तिवारी ने अपरिपूर्ण समांतर गणना के बारे में बताया और इसे एक निर्दिष्ट ऐंतरफलकी है जिसमें सीमाएं अनंत या उनमें से कम होती हैं, या जिसका अंशग्राहक एक या एक से अधिक स्थानों पर अनंत की ओर बढ़ता है, बताया।

डॉ. शुभाष कुमार यादव ने ष्डंद ीव ादमू पदपिदपजल- त्ंउंदनरंद - जीम उंजीमउंजपबपंदेष के बारे में बताया और रामानुजन के जीवन और शोध का विवरण किया। उन्होंने यह भी कहा कि साधा और कठिन में अंतर यह है कि किसमें रुचि है, और जिसमें रुचि नहीं है, वह कठिन हो सकता है।

डॉ. करुणेश कुमार सिंह ने मैट्रिक्स पर विस्तृत जानकारी दी, कहा कि मैट्रिक्स इंजीनियरिंग गणित में भी महत्वपूर्ण हैं। इसमें मैट्रिक्स के प्रकार, मैट्रिक्स का परिवर्तन, मैट्रिक्स की रैंक, मैट्रिक्स का अजॉइंट और इनवर्स, मैट्रिक्स का डिटर्मिनेंट आदि के बारे में सीखेंगे।

राष्ट्रीय गणित दिवस के मौके पर छात्रों ने गणित के आधार पर पोस्टर और रंगोली बनाईं, जो छात्रों के प्रयासों को प्रमोट करने के लिए संगठन के उपाध्यक्ष श्री पीयूष सिंह चौहान ने सराहा और उन्हें गणित की महत्वपूर्ण बातें चर्चा करने का समर्थन किया।

संस्थान के अध्यक्ष पवन सिंह चौहान ने कहा, ष्गणित की खोजें ने भारत को विश्व में एक अच्छी स्थिति प्रदान की हैं। हमारे बच्चे भी रामानुजन की तरह अनुसंधान करें और हमारा नाम रोशन करें, साथ ही अपने माता-पिता और अपने देश का नाम भी रोशन करें।

पी.बी.आर.विज्ञान क्लब द्वारा गणित प्रदर्शनी का किया गया आयोजन

हरदोई (अंबरीष कुमार सक्सेना)।

आज पी.बी.आर. इण्टर कालेज तेरवा गौसगंज हरदोई में पी.बी.आर.विज्ञान क्लब द्वारा राष्ट्रीय गणित दिवस के अवसर पर गणित प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसमें छात्र-छात्राओं ने रसायन विज्ञान प्रवक्ता श्री प्रदीप नारायण मिश्र, गणित शिक्षक श्री आकाश कुमार व सत्यनिष्ठ के मार्गदर्शन में अपनी गणितीय दक्षता का प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शनी में गणित के विभिन्न क्षेत्रों में प्रोजेक्ट्स, मॉडल्स, और नवाचारी गणितीय समाधानों को प्रस्तुत किया गया। छात्रों ने अपनी विचारशीलता को गणितीय कला के माध्यम से दिखाया कि वे गणित के क्षेत्र में कौशल और उत्कृष्टता में माहिर हैं। प्रदीप मिश्र ने बताया, गणित प्रदर्शनी का आयोजन बच्चों की गणित में रूचि बढ़ाने और उनकी गणितीय दक्षता को प्रोत्साहित करने का एक अद्वितीय मौका है। गणित शिक्षक आकाश कुमार व सत्यनिष्ठ ने बताया कि हम यहां गणित के महत्व को बढ़ावा देने के साथ-साथ, छात्रों को इस विषय में अध्ययन करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

प्रधानाचार्य डा० राम नरेश ने बच्चों द्वारा बनाए गए माडल की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस सकारात्मक और शिक्षात्मक आयोजन से बच्चों में गणितीय दृष्टिकोण को बढ़ावा मिलेगा। इस अवसर पर सुशील कनौजिया, अजय प्रताप, राकेश राजवंशी, शम्भूनाथ, आलोक कुमार, डा० मृदुल वर्मा, मनीष कुमार पाठक, लक्ष्मी शंकर द्विवेदी, डा० विवेक वर्मा, कु० अंकिता, कु० गरिमा सिंह, श्रीमती ऊषा, साधना पाल के साथ-साथ समस्त विद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

दिसंबर महीने में सिल्वर जुबली

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। उत्सव के 21वें दिन, सरस्वती डेंटल कॉलेज और अस्पताल ने उत्सव के लिए सबसे प्रतीक्षित सांस्कृतिक कार्यक्रमों का उद्घाटन करके उत्सव जारी रखा, जिसकी थीम ष्अंदाज-ए-लखनऊष थी।

संकाय और छात्र सभी थीम के अनुसार तैयार थे। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन और उसके बाद सरस्वती वंदना से हुई

पहला कार्यक्रम 'रॉक एंड रोल' विषय के तहत ष्युगल गीतष था। इस कार्यक्रम के निर्णायक लेफ्टिनेंट कर्नल संध्या, डॉ. अलका यदु थे। विजेता थे - प्रथम अंतरीपा और कान्हा, द्वितीय रविशंकर सरदार और मुस्कान श्रीवास्तव। तृतीय डॉ. . स्वस्तिक हाजरा और गीति हजारिका

दूसरा कार्यक्रम ष्सोलो डांस इंडियनष था, थीम थी 'नवाज-ए-इश्क'

जज थे डॉ.गौतम पालित, श्रीमती स्मिता माथुर. विजेता थे-प्रथम डॉ. रुद्राणी, द्वितीय सृष्टि दास, तृतीय इवोलिना दत्ता.

तीसरा कार्यक्रम षमिमिक्रीष था

जिसका विषय था 'हँसकर निकालो'। निर्णायक डॉ. सुलेमान अब्बास, डॉ. प्रतीक चंद्रा थे। विजेता रहे-प्रथम खुशी मोरवानी, द्वितीय रामस्वरूप, तृतीय रशिल सिंह

चौथा कार्यक्रम 'जश-ए-बहारा' थीम के तहत ष्समूह नृत्यष था।

जज थे डॉ. प्रद्युम्न मिश्रा, डॉ. कुणाल साह. विजेता रहे-प्रथम टैगोर हाउसरू अन्विता श्रीवास्तव, श्रुति सिंह, अंशिका मिश्रा, मुस्कान श्रीवास्तव, काजल गुप्ता, अदिति पांडे, इवोलिना दत्ता, राहुल राठौड़, सूर्यांश सारस्वत, आर्यन। दूसरा था रमन हाउसरू अमीषा जयसवाल, ऋषिका राजपूत, तितिक्षा, भुव्यान, आन्या श्री, श्रुति गुप्ता, अनुष्का बरनवाल, रशिल कुमार सिंह, मधुर अग्रवाल, विकास प्रजापति, लव। तीसरे कृष्णन थेरू अंकिता राय, रैना पांडे, सृष्टि दास, जयिता पांडा, किंजल गौतम,अनुष्का सिंह, अदिति, सदफ, आइशा, निस्चय सिन्हा. कार्यक्रम का संचालन सांस्कृतिक प्रमुख डॉ. आशीष चौहान के मार्गदर्शन में किया गया। कॉलेज कैप्टन मानसी बिष्ट। सचिव-महिमा जैन, देवांश सिंह। संयुक्त सचिव-हर्षिता अग्निहोत्री, कुलसुम फातिमा, सृष्टि दस, सुरिंदर.

आज आयोजित खेल प्रतियोगिताएं थीं- 'लड़कों की लंबी कूद'प्रथम गौरव मिश्रा (रमन), द्वितीय विवेक (चावला), तृतीय उदित (रमन) थे।

इन'रेस 400म'(बॉयज) थे 1स्ट पोजीशन- कुशाग्र (कृष्णन), 2ण्ड वास् नवनीत(चावला), 3र्ड वास् निशांत यादव(रमन).

इन 'रिले बॉयज'-1स्ट वास् निशांत यादव, आयुष यादव, उदित, गौरव मिश्रा. (रमन).2ण्ड वास् विक्की सिंह, लक्ष्य जैस्वाल, नवनीत यादव, सौम्यादीप मंडल (चावला).3र्ड वास् कुशाग्र, डॉ विशाल, डॉ अतुल, डॉ. तुषार माथुर (कृष्णन).इन गर्ल्स रिले 1स्ट वास् रैना, किंजल,डॉ.धृतिका, सलोनी. 2ण्ड वास् रमण-तेहीम, अनन्य, अदिति, सुरभि मम.3र्ड वास् टैगोररूदीक्षा, शिवांगी, मानसी,आरोही. 100 मीटर लड़कियों मेंरू पहला तहरीम (रमन), दूसरा तित्क्षा (चावला), तीसरा दीक्षा। 100 मीटर लड़कों मेंरू पहला उदित (रमन), दूसरा विक्की (चावला), तीसरा डॉ.अतुल (कृष्णन)।

सभी कार्यक्रम पूरे मन से अगले दिन की घटनाओं के इंतजार में आयोजित किये गये।

अकबरनगर पहुँचा बुलडोजर, पुलिस और स्थानीय लोगों में झड़प, लाठीचार्ज

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में आज गुरुवार को कुकरैल नदी की जमीन पर अवैध रुप से बनाए गए अकबर नगर 1 और अकबर नगर 2 को ध्वस्त करने एलडीए की टीम भारी पुलिस बल लेकर पहुंची। लोगो ने विरोध किया। इस दौरान बीजेपी के महानगर मंत्री मंगल झा ने भी लोगों के साथ विरोध किया। पुलिस और स्थानीय लोगों में झड़प हो गई। लोगो को तितर बितर करने के लिए पुलिस ने हल्का बल प्रयोग भी किया जिसके चलते बंधा रोड, फैजाबाद रोड, महानगर रोड पर लंबा जाम लग गया। कॉलोनी वासियों ने हाईकोर्ट में कार्रवाई रोकने को लेकर अपील की। इसी के बाद गुरुवार को हाईकोर्ट ने सुनवाई के चलते कुछ देर के लिए ध्वस्तीकरण की कार्यवाही रोकी गई। इलाके में एलडीए की टीम ने तोड़फोड़ की कार्रवाई रोककर सुनवाई होने तक मकान व दुकान खाली कराना शुरु किया। अकबरनगर कुकरैल नदी की जमीन पर बना है। कुछ हिस्सा ग्रीन बेल्ट पर है। उत्तर प्रदेश सरकार ने साबरमती की तर्ज पर लखनऊ में कुकरैल रिवर फ्रंट बनाने का निर्णय लिया है। इसके बाद अकबरनगर पर बुलडोजर चलाने का फैसला लिया गया। लोगो ने इस फैसले का विरोध किया। गुरुवार को लोगो ने फिर एलडीए का विरोध किया। इस प्रदर्शन में एक भाजपा नेता भी शामिल था जिसका नोंकझोंक और धक्का मुक्की के बीच सिर फट गया। पुलिस ने उसे दौड़ा कर पकड़ा। कारवाई फिलहाल के लिए रोकी गई है। हाईकोर्ट की सुनवाई के बाद फैसले का इंतजार है।

अवैध कब्जे का ध्वस्तीकरण करने पहुंची पुलिस की लोगों से झड़प

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के अकबरनगर में कुकरैल नाले के किनारे अवैध कब्जा कर बनाए गए मकान का ध्वस्तीकरण की कार्रवाई के दौरान पुलिस और स्थानीय लोगों के बीच झड़प हो गई। इस दौरान पुलिस ने भीड़ को तितर- बितर करने के लिए हल्का बल का प्रयोग किया। नाराज स्थानीय लोगों ने कुकरैल बंधा रोड पर जाम लगा दिया जिससे अयोध्या रोड और महानगर रोड पर भीषण जाम लग गया।

बच्चों को संस्कारित बनाने में परिवार की भूमिका अहम : आचार्य गोविंद मिश्रा

संवाददाता

लखनऊ। हमें अपने बच्चों का नाम बहुत ही सोंच विचार कर रखना चाहिये क्योंकि नाम की महिमा होती है। कुल गुरु वशिष्ठ चारों भाइयों का नामकरण करने राजा दशरथ के महल में पहुंचे। उन्होंने सबसे पहले उनके बड़े पुत्र का नाम राम रखा। बच्चे के बारे में जब बताया तो अयोध्या में उनकी जय-जयकार होने लगी। पंडाल में बैठे भक्तजन भी इस प्रसंग को सुन उत्साहित होकर जयकारे लगाने लगे। विश्वनाथ मन्दिर के 32वें स्थापना दिवस के मौके पर श्रीरामलीला पार्क सेक्टर-ष्एष सीतापुर रोड योजना कालोनी में चल रहे मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम कथा के चौथे दिन गुरुवार को कथा व्यास आचार्य गोविंद मिश्रा ने नामकरण, अहिल्या उद्धार, नगर दर्शन का प्रसंग सुनाया। नामकरण का प्रसंग सुनाते हुये उन्होंने बताया कि सभी को सुख देने वाले, सभी को भव से पार कराकर विश्राम देने वाले उनका नाम राम है। उनके नाम के स्मरण मात्र से लोगों के कष्ट दूर हो जाते हैं। भगवान ने जन्म ही संसार में आकर लोगों के कष्ट को दूर करने के लिए लिया था। कथाव्यास ने कहाकि जिस भगवान की गोद में ब्रह्माण्ड खेलता हैं।

रोजगार मेले में 1747 लोगो को मिला रोजगार

संवाददाता

लखनऊ। प्रधानाचार्य राज कुमार यादव ने बताया कि राजकीय आईटीआई अलीगंज, लखनऊ क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय लखनऊ एव जिला कार्यक्रम प्रबन्धन इकाई, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में बृहद रोजगार मेले का आयोजन राजकीय आईटीआई, अलीगंज, लखनऊ मे किया गया। मेले का उद्घाटन संयुक्त निदेशक लखनऊ मण्डल लखनऊ सुनील श्रीवास्तव द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य राज कुमार यादव द्वारा अभ्यर्थियों को कम्पनियों में मेहनत एवं लगन से काम करने के लिए प्रेरित किया। जिला सेवायोजन अधिकारी हिमांशु एवं प्रज्ञा त्रिपाठी ने अभ्यर्थियों की काउंसलिंग की। मिशन निदेशक, उ0प्र0 कौशल विकास मिशन, लखनऊ रमेश रंजन के द्वारा रोजगार मेले का निरीक्षण किया गया।ट्रेनिंग काउंसिलिंग एण्ड प्लेसमेन्ट आफिसर एम ए खाँ ने बताया कि रोजगार मेले राजकीय आईटीआई, अलीगंज, लखनऊ, क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय लखनऊ, जिला कार्यक्रम प्रबन्धन इकाई, लखनऊ के द्वारा आमंत्रित की गयी।

मिमिक्री पर किरकिरी, उप राष्ट्रपति के अपमान पर गरमाया जाट संगठन, अखिलेश और जयंत की रणनीति को लगेगा बड़ा झटका

संवाददाता

लखनऊ। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के अपमान के बाद पूरे देश में यह मुद्दा गरमाया हुआ है। भाजपा के सभी बड़े नेता एक के बाद एक इस घटना की कड़ी निंदा कर रहे हैं। वहीं, उत्तर प्रदेश में उप राष्ट्रपति का अपमान करना विपक्ष को भारी पड़ रहा है। जाट समुदाय की ओर से इस घटना को लेकर कड़ा विरोध दर्ज कराया जा रहा है। वहीं, भाजपा इस मामले को लेकर ओबीसी के अपमान के मुद्दे को उठाया जा रहा है। वहीं, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे खुद के दलित होने की बात करते हुए न बोलने देने की बात करने लगे हैं। संसद के सुरक्षा में चूक का मसला अब जातीय लड़ाई तक पहुंच गया है। ऐसे में विपक्षी गठबंधन इंडिया के सहयोगियों को यूपी में परेशानी झेलनी पड़ सकती है। अखिलेश यादव का च्क। (पिछड़ा दलित अल्पसंख्यक) फ्रंट और जयंत चौधरी की जाट-मुस्लिम एकता की कवायद पर चोट पहुंचती दिख रही है।उप राष्ट्रपति के अपमान का मामला देखते ही देखते जातीय अपमान पर पहुंच गया। जाट संगठनों ने इस मामले में उप राष्ट्रपति का समर्थन किया। इसे समाज के अपमान के रूप में पेश किया गया। विपक्षी दलों के खिलाफ प्रदर्शन शुरू हो गया है। सबसे अधिक असर पश्चिमी यूपी में देखने को मिल रहा है। यूपी की आबादी में जाट जनसंख्या करीब दो फीसदी है। लेकिन, पश्चिमी यूपी में यह आबादी बड़े क्षेत्र में अपना प्रभाव रखती है। इस वर्ग से कई अन्य जातियां जुड़ती हैं, जो जाट वोट बैंक के साथ- साथ आगे बढ़ती हैं। पश्चिमी यूपी की 22 लोकसभा सीटों पर जाट जनसंख्या जीत-हार का अंतर तय करती है। इन सीटों पर किसान आंदोलन के बाद से राष्ट्रीय लोक दल का प्रभाव बढ़ा था। लेकिन, उप राष्ट्रपति के अपमान का मामला गरमा गया है। जाट वोट बैंक सीधे तौर पर बिरादरी के आत्मसम्मान को मुद्दा बनाने की तैयारी में है। आपको बता दें कि भाजपा यूपी में मिशन 80 को सफल बनाने के लिए विपक्ष के द्वारा की गई हर गलती को अपना हथियार बनाने की कोशिश कर रही है। जाट वोट बैंक को साधने के लिए पहले मुरादाबाद में चौधरी चरण सिंह की जयंती कार्यक्रम को भव्य तरीके से मनाने का निर्णय लिया है। मुरादाबाद के बिलारी कस्बे में अखिल उत्तर प्रदेश जाट महासभा की ओर से पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की 51 फीट ऊंची प्रतिमा का निर्माण किया गया है। 23 दिसंबर को पूर्व पीएम की जयंती के मौके पर इसका अनावरण होगा। इस कार्यक्रम में उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और सीएम योगी आदित्यनाथ मुख्य रूप से मौजूद होंगे। इससे पहले जाट आत्मसम्मान का मुद्दा गरमाने लगा है। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के अपमान से सबसे ज्यादा नुकसान रालोद पार्टी के अध्यक्ष जयंत चौधरी को हो सकता है। क्योंकि मुजफ्फरनगर के 2013 के दंगों के बाद से जाट वोट बैंक अलग हो गया।

हिन्दी सान्ध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी मे. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0-7007415808,9628325542,9415034002

RNI सन्दर्भ संख्या - 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार-पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।